page 1 and 8 July 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/10/2026 1:46 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 2.33 करोड़ के नशे पर चला पुलिस का बुलडोजर..

5 इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से किया संन्यास का ऐलान

8 लखनपुर कॉरिडोर में उमड़ा आस्था का सैलाब

मौसम जम्मू न्यूनतम 22 अधिकतम 37

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-171 | जम्मू तवी, शुक्रवार 10 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

## भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई गतिः रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी सहित 18 प्रमुख समझौते

**नई दिल्ली, 09 जुलाई** । भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत गुरुवार को रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा विशेषकर नाभिकीय ऊर्जा, साइबर सुरक्षा, शिक्षा, कौशल विकास, खनन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक विरासत सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18 महत्वपूर्ण समझौतों और पहलों को अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मेलबर्न में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ सार्थक वार्ता की। वार्ता के नतीजों के तहत अब आस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियन की सप्लाई होगी। आस्ट्रेलिया तीन प्राचीन कलाकृतियां भारत को लौटाएगा। रक्षा क्षेत्र में सहयोग में दोनों देशों ने कई नए विषयों को शामिल किया है।

दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में हुई मजबूत प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में बताया, हमने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते यानी सीईसीए पर तेजी से काम करने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में दोनों देशों की वैश्विक मुद्दों पर राय भी सामने रखी। उन्होंने कहा कि भारत



और ऑस्ट्रेलिया मानते हैं कि आतंकवाद केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई साझा और संकल्प अटूट है।

उन्होंने कहा कि हमारा यह भी मानना है कि विश्व के अनेक भागों में चल रहे तनावों और युद्धों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। पूरे हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश मिलकर शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार साझेदारी के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

भारतीय कलाकृतियों एवं धरोहरों की वापसी के क्रम में कुछ और नाम जुड़े। आस्ट्रेलिया तमिलनाडु की तीन प्राचीन कलाकृतियों को वापस करेगा। इसमें शिव के वाहन पवित्र बैल नंदी (11वीं से 12वीं शताब्दी की ग्रेनाइट), शुभ काली (भद्रकाली) के साथ त्रिशूल (11वीं शताब्दी, कांसे) एवं छह सिर वाले स्कंद (कार्तिकेय) (12वीं शताब्दी, बेसाल्ट) कलाकृति शामिल है। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौतों में संयुक्त रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग घोषणा का नवीनीकरण शामिल है। इसके तहत सैन्य अंतर-संचालन क्षमता, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद रोधी सहयोग, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही

> “ हमारा यह भी मानना है कि विश्व के अनेक भागों में चल रहे तनावों और युद्धों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। पूरे हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश मिलकर शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था को और मजबूत करेंगे

समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप, ऊर्जा सुरक्षा पर संयुक्त वक्तव्य, भारत-ऑस्ट्रेलिया असैन्य परमाणु समझौते के प्रशासनिक प्रबंध को अंतिम रूप तथा साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी (पीएससीटीएस) पर भी सहमति बनी। दोनों देशों ने भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलियाई मैरीटाइम बॉर्डर कमांड के बीच सहयोग बढ़ाने, वर्ष 2028-29 में ऑस्ट्रेलियन डिफेंस कॉलेज में भारतीय सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति से जुड़े समझौते भी किए हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से भुवनेश्वर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान में खनन एवं खनन उपकरण उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा।

## उपराज्यपाल ने अमरनाथ तीर्थयात्रियों के लिए किए गए इंतजामों का जायजा लिया

### - श्रीनगर में पंथा चौक यात्रा ट्रांजिट कैंप और यात्री निवास का दौरा करके देखी व्यवस्था

**श्रीनगर, 09 जुलाई** । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को श्रीनगर के पंथा चौक में यात्रा ट्रांज़िट कैंप और यात्री निवास का दौरा किया और चल रही अमरनाथ तीर्थयात्रियों के लिए किए गए इंतजामों का जायजा लिया।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों और तीर्थयात्रियों से बातचीत की और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि भगवान शिव के हर भक्त को चौबीसों घंटे देखभाल मिले। उपराज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि रजिस्ट्रेशन से लेकर रहने और खाने-पीने तक, किसी भी तीर्थयात्री को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर में उनके प्रवास को सुखद और आरामदायक बनाना हमारी



सामूहिक ज़िम्मेदारी है।उपराज्यपाल ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग विभागों द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इन व्यवस्थाओं में रहने की जगह, साफ़-सफ़ाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पीने का पानी, बिजली की सप्लाई, आग बुझाने के इंतज़ाम और दूसरी ज़रूरी सेवाएँ शामिल थीं। उन्होंने कहा कि पिछले हफ़्ते के आंकड़े बताते हैं कि इस साल अमरनाथ यात्रा में पिछले साल के मुकाबले ज़्यादा श्रद्धालु शामिल हुए हैं। यह बढ़ोतरी न सिर्फ़ हमारी आध्यात्मिक विरासत के लिए एक वरदान है, बल्कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के लिए भी एक अच्छा संकेत है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई रफ़्तार मिल रही है।

## खबर संक्षेप

### दो कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्करों से संबंधित लगभग 1.05 करोड़ रुपये मूल्य की दो अचल संपत्तिया जब्त

**श्रीनगर, 09 जुलाई** । चल रहे नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के वित्तीय ढांचे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए श्रीनगर पुलिस ने दो कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्करों से संबंधित लगभग 1.05 करोड़ रुपये मूल्य की दो अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई रैनावारी पुलिस स्टेशन द्वारा मादक पदार्थों और मनोविकृत पदार्थों (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत की गई जो अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से अर्जित संपत्तियों को निशाना बनाकर मादक नेटवर्क को नष्ट करने के लिए जम्मू और कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर के तुजगारी मोहल्ला में स्थित 5 मरला जमीन पर निर्मित तीन मंजिला आवासीय मकान जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 65 लाख रुपये है, जहूर अहमद शेख पुत्र स्वर्गीय गुलाम हसन शेख निवासी तुजगारी मोहल्ला नौहट्टा का है। रैनावारी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 59/2019 के संबंध में इसे जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी नौहट्टा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 11/2018 (धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत) और एफआईआर संख्या 41/2021 (धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम और 48 आबकारी अधिनियम के तहत) में भी संलिप्त है। एक अलग कार्रवाई में रैनावारी के कंद मोहल्ला में स्थित 5 मरला जमीन और उस पर बने एक मंजिला अस्थायी ढांचे सहित लगभग 40 लाख रुपये के अनुमानित मूल्य वाली अचल संपत्ति जो बिलाल अहमद कंद पुत्र गुलाम हैदर कंद निवासी कंद मोहल्ला डल रैनावारी की है को रैनावारी पुलिस स्टेशन की एफआईआर संख्या 36/2022 (धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत) के संबंध में कुर्क कर लिया गया है। दोनों संपत्तियों को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत कुर्क किया गया है क्योंकि इन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी और मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के रूप में पहचाना गया है।

### बिजबेहड़ा में अवैध भूमि म्यूटेशन घोटाला, पूर्व तहसीलदार समेत अन्यों पर केस दर्ज

**श्रीनगर, 09 जुलाई** । जम्मू-कश्मीर एंटी करप्शन ब्यूरो ने बिजबेहड़ा में अवैध भूमि म्यूटेशन घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन तहसीलदार गुलाम रसूल भट, नायब तहसीलदार फैयाज अहमद वानी, पटवारी गुलाम नबी बांडे और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीबी के अनुसार वर्ष 2022 से 2024 के बीच करीब 1050 कनाल भूमि के 162 म्यूटेशन फर्जी तरीके से बिना रजिस्टर्ड ट्रांसफर डीड, स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस के सत्यापित किए गए जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा। जांच में सामने आया कि कथित तौर पर रिलींक्विशमेंट डीड के नाम पर असल में जमीन की बिक्री की गई और लेन-देन को छिपाने के लिए बिचैलियों व विभिन्न बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया।

## नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई जारी- आईजीजी लस्सीपोरा में ज़ब्त ड्रग्स नष्ट किए गए

**पुलवामा, 09 जुलाई** । कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफिंस विंग (ईओडब्लू) ने एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स कश्मीर के साथ मिलकर आज माननीय न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए आईजीसी लस्सीपोरा पुलवामा में बने इंसीनरेटर (भस्मक) में ज़ब्त नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित चीज़ों को नष्ट किया।

नष्ट की गई प्रतिबंधित चीज़ों में चरस, गांजा और साइकोट्रोपिक गोलियां शामिल थी जिन्हें एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स कश्मीर ने नशीले पदार्थों के खिलाफ़ अलग-अलग अभियानों के दौरान ज़ब्त किया था। इन्हें ड्रग डिस्पोज़ल कमेटी की देखरेख में वैज्ञानिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से जलाकर नष्ट किया गया।

इस नष्ट करने की प्रक्रिया की अध्यक्षता एसएसपी इकोनॉमिक ऑफिंस विंग कश्मीर और ड्रग डिस्पोज़ल कमेटी के चेयरमैन अब्दुल वहीद शाह ने की। इस दौरान कुबरा नज़ीर, अब्दुल बारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नष्ट करने की यह प्रक्रिया तय कानूनी प्रक्रियाओं और अदालत के निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए पूरी की जाए।

यह पहल नशा मुक्त भारत अभियान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी मज़बूत करती है जिसका मकसद नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकना और नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करना है। ज़ब्त किए गए नशीले पदार्थों को समय पर और कानूनी तरीके से नष्ट करके यह कदम उठाया गया है।

## जम्मू-कश्मीर सरकार ने शिक्षकों को वरिष्ठता और पदोन्नति के लिए एक स्नातकोत्तर डिग्री चुनने की अनुमति दी

**जम्मू, 09 जुलाई (हि.स.)** । जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा विभाग ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं जिनमें कहा गया है कि एक से अधिक स्नातकोत्तर (पीजी) योग्यता रखने वाले शिक्षकों को वरिष्ठता और पदोन्नति के निर्धारण के लिए केवल एक विषय चुनने की अनुमति होगी। विभाग द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार पात्र शिक्षकों को 30 दिनों के भीतर एक बार अपना विकल्प चुनना होगा जिसमें वे उस पीजी विषय का उल्लेख करेंगे जिसके लिए वे सेवा लाभों के लिए विचार किए जाना चाहते हैं। चुना गया विकल्प अंतिम होगा और वरिष्ठता और पदोन्नति से संबंधित सभी भविष्य के मामलों पर लागू होगा। विभाग ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य एकरूपता, पारदर्शिता और प्रभावी कैडर प्रबंधन सुनिश्चित करना है। जम्मू और कश्मीर में स्कूल शिक्षा निदेशकों को ऐसे मामलों की पहचान करने, शिक्षकों से निर्धारित विकल्प प्राप्त करने और तदनुसार संबंधित वरिष्ठता अभिलेखों को अद्यतन करने का निर्देश दिया गया है। विकल्प को अंतिम रूप देने के बाद किसी शिक्षक द्वारा प्राप्त किसी भी अतिरिक्त पीजी योग्यता को वरिष्ठता या पदोन्नति के लिए विचार नहीं किया जाएगा। यदि कोई शिक्षक निर्धारित अवधि के भीतर विकल्प प्रस्तुत करने में विफल रहता है तो विभाग सेवा नियमों के अनुसार विषय का निर्णय करेगा और बाद में परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

## पुराना और बिना फटा मोर्टार का गोला मिला, किया निष्क्रिय

**पुंछ, 09 जुलाई** । पुंछ जिले के अग्रिम क्षेत्र के एक खेत में गुरुवार को एक पुराना और बिना फटा मोर्टार का गोला मिला, जिसे सेना के अधिकारियों ने निष्क्रिय कर दिया।

कुसलियान गांव के निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि हम अपने खेत में मक्का की कटाई कर रहे थे कि तभी अचानक हमें एक पुराना व बिना फटा बम दिखाई दिया। हमने उसे छुआ तक नहीं। इसके बजाय हमने तुरंत पास की सेना इकाई को सूचना दी।

अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और सेना के जवान मौके पर पहुंचे और बम निरोधक दस्ते द्वारा मोर्टार के गोले को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय करने से पहले क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया। कोई हताहत या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि माना जा रहा है कि यह बिना फटा गोला सीमावर्ती जिले में पहले हुई सीमा पार गोलाबारी का अवशेष है।

## अमरनाथ गुफा के लिए 8,000 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का आठवां जत्था जम्मू से रवाना



**जम्मू, 09 जुलाई** । कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को 8000 से ज़्यादा अमरनाथ तीर्थयात्रियों का आठवां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि 8150 तीर्थयात्री सुबह-सुबह जम्मू बेस कैंप से 334 गाड़ियों (जिनमें हल्की और भारी मोटर गाड़ियां शामिल थीं) के काफिले में रवाना हुए। इस जत्थे में बालटाल के लिए 3445 और पहलगाम के लिए 4705 तीर्थयात्री शामिल थे। वे कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के बीच यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने मिलकर इंतज़ाम किए थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे पक्का रजिस्ट्रेशन होने और यात्रा की तय तारीख पर ही यात्रा करें, क्योंकि बिना रजिस्ट्रेशन वाले किसी भी तीर्थयात्री को बेस कैंप तक जाने की नहीं दी जाएगी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2 जुलाई को जम्मू से यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

## जम्मू-कश्मीर में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 2 आईएएस और 4 आईपीएस अधिकारियों का तबादला; 3 आईएएस व 8 आईपीएस की तैनाती

**जम्मू, 9 जुलाई।** केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आज एजीएमयूटी कैडर के अधिकारियों का बड़ा फेरबदल करते हुए जम्मू-कश्मीर से 2 आईएएस और 4 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया, जबकि 3 आईएएस और 8 आईपीएस अधिकारियों की तत्काल प्रभाव से केंद्र शासित प्रदेश में तैनाती की गई है। जारी आदेश के अनुसार, शाहिद इकबाल चौधरी का तबादला अरुणाचल प्रदेश तथा स्वाति शीमार का तबादला दिल्ली किया गया है। वहीं सौगत बिस्वास (अरुणाचल प्रदेश से), ममता यादव (दिल्ली से) तथा इशिता राठी (पुडुचेरी से) को जम्मू-कश्मीर में नियुक्त किया गया है।

## टिकाऊ भविष्य के लिए जम्मू-कश्मीर को वॉल्यूम से वैल्यू टूरिम की ओर बढ़ना होगा : सीएम उमर

**श्रीनगर, 09 जुलाई** । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को इस सेक्टर की लंबे समय की सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए धीरे-धीरे वॉल्यूम-बेस्ड (संख्या-आधारित) टूरिम मॉडल से वैल्यू-बेस्ड (मूल्य-आधारित) टूरिम की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबिलिटी के बिना टूरिम एक बड़ी तबाही है। शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में सस्टेनेबल टूरिम पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए उमर ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को यह तय करना होगा कि वह वॉल्यूम-बेस्ड डेस्टिनेशन बना रहना चाहता है या वैल्यू-बेस्ड टूरिम इकॉनमी में बदलना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक अशांति के कारण जम्मू-कश्मीर दशकों से वॉल्यूम टूरिम पर निर्भर रहा है, लेकिन अब समय आ गया है कि पर्यटकों की संख्या से आगे बढ़कर सस्टेनेबिलिटी पर ध्यान दिया जाए। पिछले साल हुई सुरक्षा घटना का ज़िक्र करते हुए उमर ने कहा कि इसने कश्मीर के टूरिम इकोसिस्टम की कमज़ोरी को उजागर कर दिया। उन्होंने कहा, “एक घटना हुई और सब कुछ खत्म हो गया। इसीलिए अब हमें सस्टेनेबल टूरिम के लिए योजना बनानी चाहिए।” उन्होंने प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक योजना बनाने पर ज़ोर दिया, जिनमें ट्रैफिक मैनेजमेंट, पार्किंग, कचरा निपटान, पानी की कमी और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बेतरतीब निर्माण शामिल हैं। उमर ने स्टेकहोल्डर्स से सलाह लिए बिना नीतियां लागू करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हाल के उपायों जैसे कि ऑड-ईवन ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान से परेशानी हुई क्योंकि उन्हें पर्याप्त बातचीत के बिना लागू किया गया था। उन्होंने कचरा प्रबंधन में सुधार के महत्व पर भी ज़ोर दिया और लोगों से आग्रह किया कि वे गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और डल झील जैसे पर्यटन स्थलों का ध्यान वैसे ही रखें जैसे वे अपने घरों का रखते हैं।

## पीएम सूर्य घर योजना और सोलराइजेशन मिशन के लिए सीएस ने तय किए मासिक लक्ष्य

**श्रीनगर, 9 जुलाई।** मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज प्रधानमंत्री सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना तथा जम्मू-कश्मीर में सरकारी भवनों के सोलराइजेशन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिजली विकास विभाग; अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त; संभागीय आयुक्त जम्मू/कश्मीर; प्रबंध निदेशक, जेपीडीसीएल/केपीडीसीएल; मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जाकेडा सहित विभिन्न संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने दोनों बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को सौंपे गए लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि जिन लगभग 57,000 लाभार्थियों के साथ विक्रेता समझौते पहले ही हो चुके हैं, उनके सभी रूफटॉप सोलर (आरटीएस) सिस्टम शीघ्र स्थापित किए जाएं, ताकि उन्हें योजना का लाभ बिना किसी देरी के मिल सके। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना की अंतिम तिथि से काफी पहले सभी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्पष्ट समय-सीमा तैयार की जाए, ताकि जम्मू-कश्मीर भारत सरकार की इस प्रमुख योजना का अधिकतम लाभ उठा सके।सरकारी भवनों के सोलराइजेशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा जाकेडा को कार्यों में तेजी लाने और मिशन मोड में सभी चिन्हित सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि जुलाई 2026 के अंत तक कैपेक्स मॉडल के तहत 1,400 से अधिक तथा रेस्को (ह्नद्बह्यष्) मॉडल के तहत लगभग 1,300 सरकारी भवनों में कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी चालू परियोजनाओं में स्मार्ट मीटरिंग का कार्य भी साथ-साथ पूरा किया जाए, ताकि नेट मीटरिंग, ऊर्जा लेखांकन और सौर परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके।बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिजली विकास विभाग अश्विनी कुमार ने कार्यान्वयन में मौजूद कमियों को दूर करने की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

## शोपियां ऑपरेशन के छठे दिन भी सुरक्षा बल दूसरे लश्कर आतंकी की तलाश में जुटे

**श्रीनगर, 09 जुलाई** । लश्कर-ए-तैयबा के एक कमांडर के मारे जाने के एक दिन बाद उसके साथी को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों ने गुरुवार को छठे दिन भी दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रखा है। अधिकारियों ने बताया कि सेना, जम्मू और कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने मीमंदर-चानापोरा शोपियन में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। खुफिया जानकारी के आधार पर दो लश्कर आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चलने के बाद 4 जुलाई को इसी इलाके में अभियान शुरू किया गया था। चल रहे अभियान के दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच पहली बार शनिवार शाम को और दूसरी बार बुधवार सुबह गोलीबारी हुई। एक अधिकारी ने बताया दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है, जिसके इलाके में छिपे होने की आशंका है। बुधवार सुबह सुरक्षा बलों को तब सफलता मिली, जब उन्होंने लश्कर-ए-तैबा के एक स्थानीय कमांडर जाकिर अहमद गनई को मार गिराया। कुलगाम जिले के मोतलहामा गांव का निवासी जाकिर सितंबर 2023 में आतंकवादी संगठनों में शामिल हुआ था। जाकिर की हत्या के साथ कश्मीर में अब केवल एक ही सक्रिय स्थानीय आतंकवादी बचा है, जबकि सुरक्षा अधिकारियों का अनुमान है कि घाटी में लगभग 20-30 पाकिस्तानी आतंकवादी अभी भी सक्रिय हैं। अधिकारियों ने कहा कि शोपियां में चल रहा अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक कि पूरा इलाका पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हो जाता और दूसरे आतंकवादी को या तो गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता या मार गिराया नहीं जाता।

# रोज नहीं खाएं अण्डे

**अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।**



*क्या यह सच है कि* अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

## सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. हू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

## ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

## विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

## ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्ट`मिना।

### एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी  
कोल- 78 एमजी  
सोडियम - 62 एमजी  
(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)  
फैट- 5.3 ग्राम  
प्रोटीन- 6 ग्राम  
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

## दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।



## कौन खा सकता है अंडे

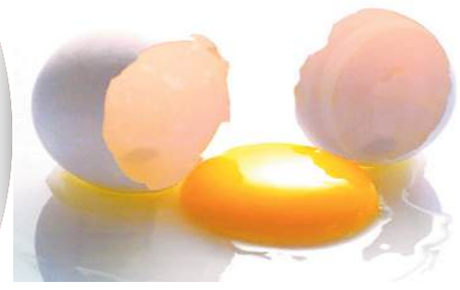

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,



जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

## आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

## अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

## बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

## सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

# ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

**संतुलित वजन यानी स्वस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वहीं पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़े इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।**

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

## अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

## ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

## सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

## मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

## अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

## सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

## सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

## बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

# फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

**बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टार्टर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।**

**सूखी व हरी** दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यतः पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

## कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

## शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

## किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

# मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

*बीते दिनों* मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

## सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

## अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

## नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

## शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

# 2.33 करोड़ के नशे पर चला पुलिस का बुलडोजर- कठुआ पुलिस ने 175 किलो ड्रग्स जलाकर की नष्ट

कठुआ, 09 जुलाई (हि.स.)। नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए कठुआ पुलिस ने गुरूवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 174.981 किलोग्राम मादक पदार्थों तथा 1,945 नशीली कैप्सूलघोलियों को नष्ट कर दिया। इनकी अनुमानित कीमत लगभग 2,32,86,490 आंकी गई है।

नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 2.05 किलोग्राम हेरोइन, 1,036 कैप्सूल, 909 टैबलेट, 7.68 किलोग्राम गांजा, 162.649 किलोग्राम पोस्त (पॉपी स्ट्रॉ), 2.126 किलोग्राम चरस तथा 482 ग्राम अफीम शामिल है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के नेतृत्व में, सक्षम प्राधिकारी की अनुमति और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। मादक पदार्थों को पुलिस स्टेशन रामगढ़ जिला सांबा के अधिकार क्षेत्र में स्थित एमध्एस अनमोल हेल्थकेयर रारा में स्वीकृत इन्सिनरेशन सुविधा में समिति सदस्यों की मौजूदगी में जलाकर नष्ट किया गया। जानकारी के अनुसार ये सभी मादक पदार्थ 43 अलग-अलग एनडीपीएस मामलों से संबंधित थे जिन्हें कठुआ जिले के विभिन्न पुलिस मालखानों में सुरक्षित रखा गया था। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद इनका निस्तारण किया गया। इस मौके पर एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि कठुआ पुलिस नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को पूरी सख्ती के साथ जारी रखेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्रग तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी और जब्त मादक पदार्थों का समयबद्ध तरीके से कानून के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

# सीवीपीपीएल की जलविद्युत परियोजनाओं की प्रगति की एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा समीक्षा; समयबद्ध कमीशनिंग पर बल

**किश्तवाड, 09 जुलाई ।** एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेन्द्र गुप्ता तथा निदेशक (परियोजनाएं) संजय कुमार सिंह ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सीवीपीपीएल की पकलदुल, क्वार एवं किरुजलविद्युत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध कमीशनिंग पर विशेष बल दिया।

एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा निदेशक (परियोजनाएं) ने दिनांक 05 से 07 जुलाई, 2026 तक जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सीवीपीपीएल) की निर्माणाधीन जलविद्युत परियोजनाओं का तीन दिवसीय दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं की निर्माण प्रगति की समीक्षा करना तथा उनके समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।

किश्तवाड़ आगमन पर एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों का सीवीपीपीएल के प्रबंध निदेशक रमेश मुखिया एवं परियोजनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

दिनांक 06 जुलाई को समीक्षा की शुरुआत डांगडूरू स्थित पकलदुल बांध स्थल के निरीक्षण से हुई। वरिष्ठ अधिकारियों ने वहां चल रहे सिविल कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया तथा परियोजना की समग्र स्थिति की समीक्षा की।

इसके उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने क्वार जलविद्युत परियोजना का दौरा किया, जहां अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेन्द्र गुप्ता ने टेल रेस टनल (टीआरटी) आउटलेट ब्रिज का उद्घाटन किया। इसी अवसर पर यूनिट्स4 के ड्राफ्ट ट्यूब एल्बोके इरेक्शनकार्य का शुभारंभ भी किया गया, जिससे परियोजना में ई एंड एम उपकरणों कीइरेक्शनकार्य औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गया।

तत्पश्चात एनएचपीसी टिम ने किरुजलविद्युत परियोजना का निरीक्षण किया, जहां बांध एवं पावरहाउस के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। दौरे के दौरान गणमान्य अतिथियों ने यूनिट्स2 के 38 टन वजनी रनरको सफलतापूर्वकनीचे उतारने के साक्षी बनकर परियोजना की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का अवलोकन किया।

दिनांक 07 जुलाई को भूपेन्द्र गुप्ता ने परियोजना से संबंधित हितधारकों के साथ समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की, जिनमें समग्र प्रगति का आकलन किया गया तथा क्रियान्वयन संबंधी प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने सीवीपीपीएल की जलविद्युत परियोजनाओं की समयबद्ध कमीशनिंग सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित एजेंसियों के मध्य घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

सीवीपीपीएल के प्रबंध निदेशक रमेश मुखिया ने जम्मू-कश्मीर में कंपनी की जलविद्युत परियोजनाओं के विकास में निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एनएचपीसी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

# जम्मू-कश्मीर में 9-10 जुलाई को आम तौर पर गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना

**श्रीनगर, 09 जुलाई (हि.स.)।** मौसम विज्ञान केंद्र ने 9 और 10 जुलाई को जम्मू और कश्मीर में आम तौर पर गर्म और उमस भरा मौसम रहने का पूर्वानुमान लगाया है। जम्मू डिवीजन में छिटपुट स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर संक्षिप्त रूप से तीव्र बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार 11 और 12 जुलाई को कई स्थानों पर एक या दो बार बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। जम्मू डिवीजन की चिनाब घाटी और पीर पंजाल पर्वतमाला में कुछ स्थानों पर भारी बारिश और संक्षिप्त रूप से तीव्र बौछारें पड़ने की संभावना है। 13 से 16 जुलाई तक मौसम आम तौर पर गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है, छिटपुट स्थानों पर बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि जम्मू डिवीजन के कुछ क्षेत्रों में संक्षिप्त रूप से तीव्र बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने अपनी सलाह में 11 और 12 जुलाई को भारी बारिश और विशेषकर दोपहर और सुबह के शुरुआती घंटों में तीव्र बौछारों की संभावना जताई है। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि चिनाब घाटी और पीर पंजाल पर्वतमाला के संवेदनशील स्थानों पर अचानक बाढ़, भूस्खलन और कीचड़ का भूस्खलन हो सकता है।

# श्री गुरु रविदास सभा की बैठक में संगठन विस्तार और सामाजिक गतिविधियों पर मंथन

**जम्मू, 09 जुलाई (हि.स.)।** अखिल जम्मू-कश्मीर श्री गुरु रविदास सभा मुख्यालय कृष्णा नगर जम्मू की कार्यकारिणी, कार्य समिति और सलाहकार समिति की संयुक्त बैठक गुरुवार को सभा परिसर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष इंजीनियर आर.सी. भसीन ने की जिसमें संगठन की वर्तमान गतिविधियों, प्रगति और आगामी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सभा के कार्यों और संगठनात्मक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा संगठन को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव दिए गए। सदस्यों ने जम्मू संभाग की विभिन्न गुरु रविदास सभा शाखाओं और केंद्रीय सभा के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग बढ़ाने पर बल दिया ताकि सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से संचालन किया जा सके।

बैठक में हाल ही में शुरू की गई ओपीडी सेवाओं, सभा भवन की छत पर वाटरप्रूफिंग कार्य पूरा होने तथा कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों के लिए जल्द ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने की योजना की सराहना की गई। इसके अलावा बताया गया कि सभा की पुस्तकालय परियोजना अंतिम चरण में है और समुदाय के लोगों से इसका लाभ लेने के लिए सभा कार्यालय में पंजीकरण कराने की अपील की गई। सभा अध्यक्ष इंजीनियर आर.सी. भसीन ने कहा कि सामाजिक, शैक्षिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

बैठक में महासचिव तरसेम लोच, प्रो. सी.एल. शिवगोत्रा, प्रो. जी.एल. थापा, इंजीनियर जोगिंदर पाल, तारा चंद, सुरजीत सिंह हीर, कुलदीप थापा, मदन लाल, अनुराग कारलुपिया, देशराज संग्राल, रंगेश हंस, महेश शिवगोत्रा, बिहारी लाल डिगरा, दर्शन कुमार, अजीत कुमार, प्रभ दयाल सहित कार्यकारिणी और सलाहकार समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

# मंत्री जावेद राणा से मिले कई प्रतिनिधिमंडल, जन व विकास से जुड़े मुद्दे उठाए

**श्रीनगर, 09 जुलाई (हि.स.)।** जल शक्ति, वन पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से सिविल सचिवालय में विभिन्न क्षेत्रों और सेक्टरों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने मुलाकात कर अपनी समस्याएं और मांगें रखीं। इंडस्ट्रियल एस्टेट पंपोर के कोर ग्रुप के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष खालिद सुभान वानी के नेतृत्व में मंत्री से भेंट कर औद्योगिक क्षेत्र के विकास और विस्तार से जुड़े मुद्दे उठाए। इसके अलावा अन्य प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की जन समस्याओं और विकास संबंधी चिंताओं से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री जावेद राणा ने सभी प्रतिनिधिमंडलों की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर नियमों के दायरे में रहते हुए शीघ्र समाधान

सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार जन समस्याओं के त्वरित समाधान और विकास योजनाओं का लाभ हर वर्ग तक पारदर्शी ढंग से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# पानी की आवक बढ़ने के बाद सलाल बांध के स्पिलवे गेट खोले गए

**रियासी, 9 जुलाई(हि.स.)।** रियासी ज़िले में सलाल बांध के कई स्पिलवे गेट गुरुवार को खोल दिए गए। ऐसा ऊपरी जलग्रह इलाकों में भारी बारिश के कारण पानी के बहाव में तेज़ी से हुई बढ़ोतरी के बाद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जलाशय में बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने और चिनाब नदी में अतिरिक्त पानी के बहाव का सुरक्षित प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए ये गेट खोले गए। पानी के बहाव में यह बढ़ोतरी पिछले कुछ दिनों में बांध के कैचमेंट इलाकों में हुई व्यापक बारिश के कारण हुई है जिससे जलाशय का जलस्तर काफी बढ़ गया है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और उन्होंने चिनाब नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और नदी के पास न जाने की सलाह दी है

# अमरनाथ यात्रा के लिए एनएचएआई जम्मू की विशेष तैयारी, हाईवे पर चौबीसों घंटे निगरानी

**जम्मू, 09 जुलाई (हि.स.)।** श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू ने व्यापक स्तर पर हाईवे रखरखाव और निगरानी व्यवस्था लागू की है। यात्रा शुरू होने से पहले जम्मू क्षेत्र के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों पर सड़क मरम्मत, री-सर्फेसिंग, लेन मार्किंग का नवीनीकरण, क्रैश बैरियर की मरम्मत, नालों की सफाई, सड़क संकेतकों का रखरखाव, टोल प्लाजा की रंगाई-पुताई तथा वनस्पति हटाने जैसे कार्य किए गए।

एनएचएआई के अनुसार प्रमुख हाईवे खंडों पर नई लेन मार्किंग बहाल की गई है जिससे दिन और रात दोनों समय दृश्यता बेहतर हुई है तथा सड़क सुरक्षा को मजबूती मिली है। इसके अलावा रणनीतिक स्थानों पर रखरखाव दल और इंजीनियर तैनात किए गए हैं जो लगातार सड़क की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और किसी भी आवश्यकता पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं।3 जुलाई 2026 से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालु जम्मू के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से होकर यात्रा कर चुके हैं। एनएचएआई जम्मू का कहना है कि इन सक्रिय उपायों से यात्रियों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं को अधिक सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव मिला है।

# 4.95 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की शुरुआत, गलियां-सड़कें और नालियां होंगी दुरुस्त

**जम्मू, 09 जुलाई (हि.स.)।** अखनूर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में गुरुवार को लगभग 4.95 करोड़ रुपये की लागत वाले विकास कार्यों की शुरुआत की गई। विधायक मोहन लाल भगत ने निर्दोष चौक पर विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। आपदा प्रबंधन योजना के तहत होने वाले इन कार्यों में कस्बे की गलियों, नालियों, सड़कों, सुरक्षा दीवारों सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक कपिल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विधायक मोहन लाल भगत ने कहा कि पिछले वर्ष आई बाढ़ से अखनूर को हुए नुकसान को देखते हुए इन विकास कार्यों की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और स्थानीय लोगों से भी निगरानी कर किसी भी अनियमितता की सूचना देने की अपील की। उन्होंने बताया कि आगामी समय में अखनूर बस स्टैंड के आधुनिकीकरण, तालाबों और पार्कों के सौंदर्यीकरण तथा जिया पोता से पुराने पुल तक सड़क चौड़ीकरण जैसे कार्य भी शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा जिया पोता घाट पर पर्यटन विभाग की दो परियोजनाओं पर कार्य जारी है और अखनूर को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक ने कहा कि जिला प्रशासन की राही होप सेवा के माध्यम से श्री अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को जिया पोता घाट, अखनूर किला, पांडव गुफा और अम्बारां जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है जिससे स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक कपिल शर्मा ने कहा कि नगर में कई अन्य विकास परियोजनाएं भी स्वीकृत हो चुकी हैं और उनका कार्य शीघ्र शुरू होगा। उन्होंने व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए विभाग आवश्यक कदम उठा रहा है।

# नगरोटा में दो दिवसीय प्राचीन मेला संपन्न, श्रद्धालुओं ने सुविधाएं बढ़ाने की उठाई मांग

**जम्मू, 09 जुलाई (हि.स.)।** नगरोटा ब्लॉक स्थित प्राचीन बावा भैर देवस्थान में आयोजित दो दिवसीय अर्धवार्षिक बावा भैर मेले का गुरुवार को धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ समापन हुआ। बावा भैरदेव स्थान ट्रस्ट ने विभिन्न धार्मिक संगठनों के सहयोग से मेले का आयोजन किया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बावा भैर देवता के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मेले के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए जबकि बावा जी के चेलों ने पारंपरिक धार्मिक यात्रा भी निकाली। श्रद्धालुओं ने पूरे आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हालांकि मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने देवस्थान तक जाने वाले दोनों मार्गों की खराब स्थिति और स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने पर चिंता भी जताई। ट्रस्ट और श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं आवास मंत्री, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप कर गांव एंथम से बावा भैर देवस्थान तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रस्तावित सड़क निर्माण को शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की। उनका कहना था कि सड़क निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बावजूद परियोजना अब तक शुरू नहीं हो सकी है।

ट्रस्ट के निर्माण समिति अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त उपायुक्त बी.एस. जमवाल ने तवी नदी पर कटाल-बटाल, नागरोटा स्थित स्टील फुटब्रिज को शीघ्र बहाल करने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष आई बाढ़ में पुल बह जाने से देवस्थान का संपर्क प्रभावित हुआ है और यदि समय रहते इसे पुनर्स्थापित नहीं किया गया तो आगामी कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मेले के उद्घाटन समारोह में पूर्व उपायुक्त बी.एस. जमवाल, ट्रस्ट अध्यक्ष बलवंत सिंह, महासचिव रमेश शर्मा सहित विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# स्टेटहुड की बहाली के लिए बिगुल, जम्मू से जंतर-मंतर तक सड़कों पर उतरेगा जनसैलाब

**कठुआ, 09 जुलाई (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चैधरी और एनसी प्रदेश अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने बुधवार को जिला कठुआ में आयोजित विभिन्न जनसभाओं को संबोधित करते हुए राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर बड़ा अभियान तेज करने का ऐलान किया। कठुआ मुख्यालय में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 12 जुलाई को जम्मू के हरी सिंह पार्क में होने वाली विशाल जनसभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस रैली के माध्यम से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को बुलंद किया जाएगा। इसके साथ ही नेताओं ने 20 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में भी बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को मजबूती से उठाया जाएगा ताकि केंद्र सरकार तक जनता की आवाज प्रभावी ढंग से पहुंच सके। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करना जम्मू-कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं से जुड़ा अहम विषय है और पार्टी इस मांग को लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। जनसभाओं में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।


## ENIT NO. 37OF 2026-27 DATED 07-07-2026

**GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR**

**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI**

**PHE MECHANICAL DIVISION UDHAMPUR**

**SHORT TERM TENDER**

**E-NIT JSPHEM/UDHR/ 37 OF 2026-27 DATED07-07-2026**

Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division, Udhampur, on behalf of the Lt. Governor of Jammu and Kashmir UT, invites tenders by e-tendering mode from registered firms who have sufficient experience in the relevant field of electro-mechanical/ electrical works.

| Sl. | Name of the work | Qty | Name of Division | Cost of Tender Document / Tender Fee (in Rs) | Earnest Money (in Rs) | Bid validity |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | Providing, fitting, installation, testing and commissioning 10000 GPH x 21-29 meter head mono submersible alongwith, cable, MUG starter, 100mm dia suction pipe and other allied works at pumping station Jaganoo, Relaying of function block of 10000 GPH x 250 meter head HC pump set at Jaganoo (Dugwell new) alongwith allied works at pumping station Jaganoo and Providing, fitting, installation, testing and commissioning of 10000 GPH x 250 meter head HC pump set alongwith 140 ampere LT control panel, Mono submersible pump set, 150 KVA voltage stabilizer alongwith allied works at WSS Jaganoo. | 01 job | Jal Shakti PHE Mech. Division Udhampur | Rs. 500.00 (Non-refundable in shape of treasury challan in favour of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Mech. Division Udhampur | (Rs. 54000.00) 2% (in case of non- registered firms) Or (Rs. 27000.00) 1% (in case of firms registered with DIC / SSI / MSME) | 90 days |

1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 07-07-2026 (18:00 Hrs.)
2. The Bids shall be deposited on the website http://jktenders.gov.in from 07-07-2026 (18:30 Hrs) to 14-07-2026 (15:00 Hrs.).
3. After opening tender only successful bidder shall be asked for submitting the hard copies of documents with CDR and tender fee
4. The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in.
5. The technical bid will be opened on line on 15-07-2026 at 11.00 A.M or any other subsequent date in the office of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division Udhampur.
6. The Financial bids of the bidders shall be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division Udhampur after evaluation of technical bids. The date shall be communicated separately.
7. Bids must be accompanied by bid security and cost of Tender Document as specified in column 5 & 6 of the table (and for DIC/SSI/MSME registered firms as per Industrial Policy of J&K govt.) payable at Udhampur pledged in favour of Executive Engineer, PHE Mechanical Division, Udhampur.
8. Bid security will have to be in form of CDR / FDR / BG of any scheduled bank and shall have to be valid for one year or more after last date of receipt of Bid. The cost of downloaded tender documents shall be in form of Treasury Challan / e-Challan in favour of Executive Engineer PHE Mechanical Division, Udhampur payable at Udhampur.
9. Firms who will fulfill the following parameters are eligible to participate.
i) Average Annual financial turnover during the last 3 years, ending 31 March of the previous financial year, should be at least 30% of this estimated cost.
ii) Experience of having successfully completed similar works during last 07 years ending last day of month previous to the one in which applications are invited should be either of the following:-
a. Three similar completed works costing not less than the amount equal to 40% of the estimated cost
b. Two similar completed works costing not less than the amount equal to 50% of the estimate cost.
c. One similar completed work costing not less than the amount equal to 80% of the estimated cost.
iii) "similar work" means work of similar type.
10.The bid shall remain open for acceptance for a period of 90 days from the date of opening bids. If any bidder / tenderer withdraws his bid / tender before the said period or makes any modifications in the terms and conditions of the bid, the earnest money of the firm shall stand forfeited.
11.The tenderers are advised to visit the site of work before uploading their tenders so as to acquaint themselves with exact site conditions.
12.Other details can be seen in the bidding documents from the website http://jktenders.gov.in

NO. JSPHEMUDHR/2026-27/2070-73 Dated:-07-07-2026

**DIP/J-5420/26**
**Dtd: 9-7-2026**

**Sd/-**
**Executive Engineer**
**Jal Shakti PHE Mech. Division**
**Udhampur**

# संपादकीय

## अनुशासन से ही सुरक्षित और सफल होगी अमरनाथ यात्रा

श्री अमरनाथ यात्रा का सफल संचालन एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं, सटीक योजना, श्रद्धालुओं का अनुशासित सहयोग तथा प्रशासनिक एजेंसियों और यात्रियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक होता है। यात्रा को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने का सबसे महत्वपूर्ण आधार निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन है।

इस वर्ष प्रशासन को एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कई श्रद्धालु अपनी निर्धारित यात्रा तिथि से पहले ही जम्मू-कश्मीर पहुंच रहे हैं, जबकि कुछ बिना अनिवार्य पंजीकरण के ही यात्रा पर निकल रहे हैं। जबकि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्रा शुरू होने से काफी पहले पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी।

कुछ दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं से अपील की थी कि वे संयम बरतें और अपने पंजीकरण पत्र में अंकित निर्धारित तिथि से पहले यात्रा के लिए रवाना न हों। उन्होंने कहा था कि निर्धारित तिथि से पहले या बिना पंजीकरण पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए आवास और अन्य व्यवस्थाएं करना प्रशासन के लिए कठिन हो रहा है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) ने श्रद्धालुओं के लिए एक नई सार्वजनिक सलाह जारी की है। इसमें यात्रियों से पंजीकरण प्रक्रिया और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई है, ताकि यात्रा सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

इस सलाह में अग्रिम पंजीकरण, प्रतिदिन निर्धारित यात्री संख्या का पालन तथा सुरक्षा नियमों का अनुपालन करने पर विशेष जोर दिया गया है। यह याद दिलाया गया है कि यात्रा की सफलता केवल प्रशासन की तैयारियों पर ही नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के सहयोग और अनुशासन पर भी समान रूप से निर्भर करती है। आस्था के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है, तभी यह यात्रा प्रत्येक श्रद्धालु के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और आध्यात्मिक रूप से सुखद बन सकती है। श्रद्धालुओं को यह भी समझना चाहिए कि प्रतिदिन यात्रियों की संख्या की सीमा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार निर्धारित की गई है।

इसलिए आवश्यक है कि श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर आने से पहले अपना पंजीकरण पूरा करें और केवल उसी तिथि पर यात्रा करें, जो उनके पंजीकरण पत्र में अंकित है। तत्काल (ऑन-द-स्पॉट) पंजीकरण की सुविधा सीमित संख्या में उपलब्ध है और यह उपलब्धता पर निर्भर करती है। यात्रियों को यह भी समझना चाहिए कि यह यात्रा **28 अगस्त** तक चलेगी, इसलिए निर्धारित तिथि से पहले पहुंचकर अव्यवस्था पैदा करने का कोई औचित्य नहीं है।

इस प्रकार का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार सभी संबंधित पक्षों के लिए परेशानी का कारण बनता है। इससे न केवल नियमों का पालन करने वाले वास्तविक श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, बल्कि बिना पंजीकरण या निर्धारित तिथि से पहले पहुंचे यात्रियों तथा यात्रा प्रबंधन में लगे प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी स्थिति जटिल हो जाती है।

श्रद्धालुओं को उन यात्रियों से प्रेरणा लेनी चाहिए, जो सभी दिशा-निर्देशों का पूरी जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ पालन कर रहे हैं तथा यात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। जब प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए हैं, तब नियमों की अनदेखी कर पूरी व्यवस्था को प्रभावित करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

समय की मांग है कि सभी श्रद्धालु जिम्मेदारी का परिचय दें, अपनी निर्धारित बारी का इंतजार करें और बाबा बर्फानी के पावन दर्शन का आध्यात्मिक आनंद अनुशासन, धैर्य और नियमों का पालन करते हुए प्राप्त करें।

# न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यगधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है

श्रीअर्जुन राम मेघवाल

न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यगधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सामूहिक रूप से उन संस्थागत व्यसवस्था ओं को दर्शाते हैं जिन्होंने मानव सभ्याता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया,मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ़ने में सहायता की। मानव सभ्यतता के अनवरत विकास के फलस्वंरूप ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में

**हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है।फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैंतो शासन व्यहवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता हैजिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्त रों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014कोहमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वंपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा।यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वापूर्ण Development Dividend मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया।**

एक-दूसरे से जुड़े व्यनक्तियों और समुदायोंकेआपसी संबंधों में भी विभिन्रक विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है,तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बाध आदान-प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स्थावपित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संघर्ष के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुनःस्थानपित करने की जिम्मे,दारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याणि की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वाकस और सहभागिता का अनुभव कराता है।

इसी स्था।यी संस्था्गत प्रतिबद्धता के कारण एक ऐसी सशक्त व्यवस्था निर्मित होती है जो न केवल न्याीय तक पहुंच सुनिश्चित करती है बल्कि प्रत्येमक नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए अनिवार्य है। वर्तमान संदर्भ में विकसित भारतीय न्यारयशास्त्रे ने स्वनयं को आधुनिक चुनौतियों और उपलब्धन अवसरों के अनुरूप ढाल लिया है। हमारी संवैधानिक विरासत हमें स्व तंत्रता सेनानियों और राष्ट्रो निर्माताओं का स्वाप्नं साकार करते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्ताहवना में निहित न्यािय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याााय तथा स्वातंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्था,ओं और व्यआक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं। स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआजिसने हमारे राष्ट्र की प्रग ति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्रन नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते।

हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है।फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैंतो शासन व्यहवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता हैजिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्त रों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014कोहमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वंपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा।यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वापूर्ण Development Dividend मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया। देश केमाननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व मेंसंपूर्ण शासन व्यधवस्थाओ नेरिफॉर्म एक्स'प्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्तिका परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से 'ईज ऑफ लिविंग'को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, राष्ट्र प्रथम के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है। इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवंसभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है।यह एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें विधायी आधुनिकीकरण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और डिजिटल नवाचार शामिल हैं। 'ईज ऑफ जस्टिस' हमारे लिए मात्र एक कथन नहीं है बल्कि यह एक सुधार का मंत्र है जिसमें न्या'य के लिए अदालत की शरण में जाने वालों के लिए 'ईज ऑफ इंगेजमेंट', अधिवक्ताकओं और न्यामयाधिशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंग'तथा नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैंडिंग' शाामिल है।

न्याय हेतु अदालतों की शरण में जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए छ्ढ्रस्-J। योजना के तहत टेली-लॉ, न्योय बंधु और प्रो बोनो सेवाओं के विस्तास्र ने न्यारय प्राप्ति को अत्यं त सुलभ और किफायती बना दिया है। कॉमन सर्विस सेंटर(छ्रस्छ्)के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित टेली-लॉ कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के 112 लाख से अधिक लाभार्थियों को अदालतों में मुकदमे दायर करने से पहले मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्तध करने का लाभ मिला है। ई-फाइलिंग और ई-सेवा केंद्र की सेवाओं ने अदालत में मुकदमा दायर करने वाले व्यरक्तियों और न्या यिक व्यावस्थां के बीच नियमित संवाद एवं संपर्क को और अधिक सरल बनाया है। आधुनिक प्रौद्यो?गिकी और सामुदायिक सहभागिता के समन्वकय का भारत का यह अनूठा मॉडल वैश्विक स्तीर पर एक मानक के रूप में उभरा है।

अधिवक्ताउओं और न्याायाधीशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंग'को डिजिटल और भौतिक अवसंरचना दोनों में व्यापक विस्तार द्वारा उल्लेईखनीय रूप से सुदृढ़ किया गया है। चूंकि जिला एवं अधीनस्थ् न्यापयपालिका देश के अधिकांश नागरिकों के लिए न्यायिक व्य वस्था का पहला संपर्क बिंदु है, अतः इसे सुदृढ़ करना एक अनिवार्य और व्या वहारिक प्राथमिकता बनी हुई है। इसी दृष्टि से, केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत न्यादयालय भवन, अधिवक्तात कक्षों, आवासीय इकाइयों तथा डिजिटल अवसंरचना के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, देश में न्यायालय भवनों की संख्या वर्ष 2014 के15,818 से बढ़कर 22,712 हो गई है तथाअत्याभधुनिक एकीकृत न्यापयालय परिसरों के विकास हेतु वर्ष 2014 के बाद से अब तक 9,400.40 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त , 7200 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्याय से शुरू की गई ई-कोर्ट चरण-III परियोजना का उद्देश्य न्याटयालयों को पूर्णतः डिजिटल, पेपरलेस और एआई-सक्षम न्या य वितरण संस्थोनों में परिवर्तित करना है। विडियो कॉन्फ्रें सिंग सुविधाएं, वर्चुअल कोर्ट और अदालती कार्यवाही की लाईव स्ट्री मिंग जैसी पहलों ने न्यायिपालिका को लोगों के और करीब ला दिया है तथा न्या?य वितरण को अधिक सुलभ, पारदर्शी और कुशल बनाया है।

भारत जैसे भाषाई विविधता वाले देश में नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैं डिंग'का होना 'ईज ऑफ जस्टिस'के व्याजपक ढांचे का एक अत्यंलत महत्वपूर्ण स्तंसभ है। इस उद्देश्यश को ध्यालन में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर और भाषिणी जैसे एआई- संचालित नेचुरल लैंग्वेवज प्रोसेसिंग उपकरण उच्चभतम न्यादयालय के निर्णयों एवं आदेशों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं, जिससे आम जनता के लिए कानूनी जानकारी अधिक सुलभ हो रही है। इस प्रयास को और अधिक सशक्त बनाने के लिएराष्ट्रीय न्यासयिक डेटा ग्रिड जो एक सांख्यिकीय एवं विश लेषणात्मलक मंच है, 340 मिलियन से अधिक अदालती आदेशों एवं उनसे संबंधित जानकारियों के विशलेषण तक एक क्लिक में पहुंच प्रदान करता है। सहयोग से सरल और सहज विधायी प्रारूपण (ड्राफ्टिंग) को बढ़ावा दे रही है ताकि कानूनों को अधिक सरलऔर आम नागरिकों के अनुकूल बनाया जा सके। भारत में औपनिवेशिक दंड संहिता के स्था्न पर नई आपराधिक न्याय प्रणाली को लागू करने से दाण्डिक व्यंवस्थाा के स्थान पर न्यानयिक व्यावस्था् स्थाीपित हुई है। ई-कोर्ट, ई-प्रोसीक्यूशन, ई-प्रिजन और ई-फोरेंसिक को अपराध तथा आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम के साथ जोड़ना भी एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कदम है।

# अन्नू कपूर की फिल्म उत्तर दा पुत्तर' के गहरे संदेश को समझें

-विवेक शुक्ला

प्रख्यात अभिनेता अन्नू कपूर अपने पुराने शहर दिल्ली में वापस आ गए हैं। अपनी नई कॉमेडी फिल्म उत्तर दा पुत्तर की शूटिंग के लिए वो दिल्ली की उन्हीं गलियों में घूम रहे हैं, जहां उन्होंने जवानी गुजारी थी। बंगाली मार्केट, मंडी हाउस, हैली रोड जैसी जगहें उनके दिल के बहुत करीब हैं। 1970 के दशक में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में पढ़ते समय वो इन इलाकों में बहुत घूमा करते थे। अब इस फिल्म की टीम के साथ फिर से दिल्ली पहुंच गए हैं।

फिलहाल शूटिंग साउथ दिल्ली के एक घर में चल रही है। ब्रेक के समय अन्नू कपूर आराम से बैठे थे। उनके चेहरे पर वही गर्मजोशी भरी मुस्कान थी, जो दर्शक दशकों से देखते आ रहे हैं। फिल्म का पोस्टर पहले ही लोगों का ध्यान खींच रहा है। इसमें अन्नू कपूर एक टॉयलेट पर बैठे दिख रहे हैं, जो एक बड़े वास्तु चक्र के ऊपर रखा है। वो हाथ से उत्तर दिशा की तरफ इशारा कर रहे हैं। आसपास बाकी कलाकार मस्ती कर रहे हैं। उनका हैरान-खुश चेहरा फिल्म की हल्की-फुल्की मूड को बखूबी दिखाता है।

फिल्म में अन्नू कपूर एक फिजिक्स टीचर का रोल निभा रहे हैं। वो आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी कराते हैं। पढ़ाई में विज्ञान पर पूरा यकीन रखते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र पर भी बहुत भरोसा करते हैं। उनका सबसे बड़ा सपना है कि एक परफेक्ट उत्तरमुखी घर बनाना। उन्हें लगता है कि ऐसा घर बन गया तो उनकी किस्मत बदल जाएगी। फिल्म में दिशाएं बदलते-बदलते उनके जीवन में मजेदार और प्यारे बदलाव आते हैं।

फिल्म के लेखक, निर्देशक और प्रोड्यूसर संदीप कपूर ने बताया कि ये कहानी दिल्ली, मुंबई और देश के बड़े महानगरों और शहरों के लोगों की है। अन्नू कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, ये फिल्म उन महत्वाकांक्षी लोगों के बारे में है, जो दिशा, तारे या घर के कमरे बदल कर जवाब ढूंढते हैं। लेकिन असली बदलाव तो अंदर से आता है।

अपने किरदार के बारे में उन्होंने बताया, मेरा किरदार वास्तु के सख्त नियमों और असली जिंदगी की उलझनों के बीच फंसा है। फिल्म इसे हंसी-मजाक के साथ दिखाती है। ये आस्था का मजाक नहीं उड़ाती। बस इतना कहती है कि वास्तु से घर में सुकून आ सकता है लेकिन असली बदलाव हमारे कर्म से आता है। यही बात मुझे सबसे यादा पसंद आई।

संदीप कपूर, जिन्होंने पहले जुगाड़, अनारकली ऑफ आरा और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी फिल्म भोंसले बनाई है, कहते हैं, दिल्ली और दूसरे शहरों में बहुत से लोग सोचते हैं कि घर की दिशा ठीक कर देने से सब ठीक हो जाएगा। लेकिन मेहनत के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। फिल्म में उम्मीद, संघर्ष और छोटी-छोटी खुशियों की बात है।

फिल्म की शूटिंग दिल्ली की मशहूर जगहों पर हुई है जैसे क़ुतुब मीनार, करोल बाग का 108 फीट ऊंचा हनुमान मंदिर, कनॉट प्लेस और इंडिया गेट।

फिल्म का मुख्य सवाल है- कर्म बड़ा या किस्मत? अन्नू कपूर कहते हैं, कर्म और किस्मत दुश्मन नहीं, साथी हैं। किस्मत मंच तैयार करती है लेकिन असली सफलता हमारे कर्म, मेहनत और

**फिल्म में अन्नू कपूर एक फिजिक्स टीचर का रोल निभा रहे हैं। वो आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी कराते हैं। पढ़ाई में विज्ञान पर पूरा यकीन रखते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र पर भी बहुत भरोसा करते हैं। उनका सबसे बड़ा सपना है कि एक परफेक्ट उत्तरमुखी घर बनाना। उन्हें लगता है कि ऐसा घर बन गया तो उनकी किस्मत बदल जाएगी। फिल्म में दिशाएं बदलते-बदलते उनके जीवन में मजेदार और प्यारे बदलाव आते हैं। फिल्म के लेखक, निर्देशक और प्रोड्यूसर संदीप कपूर ने बताया कि ये कहानी दिल्ली, मुंबई और देश के बड़े महानगरों और शहरों के लोगों की है। अन्नू कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, ये फिल्म उन महत्वाकांक्षी लोगों के बारे में है, जो दिशा, तारे या घर के कमरे बदल कर जवाब ढूंढते हैं। लेकिन असली बदलाव तो अंदर से आता है।**

रोज के फैसलों से मिलती है।

संदीप कपूर कहते हैं कि फिल्म उन करोड़ों लोगों का सम्मान करती है जो फर्नीचर घुमाते हैं या पंडित जी से सलाह लेते हैं। लेकिन ये भी बताती है कि असली शांति तब मिलती है जब आस्था और मेहनत दोनों साथ चलें। फिल्म हल्की-फुल्की, थोड़ी चुटकुलेदार बनी है।

अन्नू कपूर ने सबको निमंत्रण दिया है- 24 जुलाई 2026 को फिल्म रिलीज हो रही है। प्लीज आकर देखना। हंसते हुए घर जाना और थोड़ा अपने जीवन के बारे में भी सोचना। ये कोई भारी-भरकम लेक्चर नहीं है। बस इतना कहती है कि दिशा ठीक कर लो अगर मदद करती है लेकिन खुद पर काम करना कभी मत भूलना।

उत्तर दा पुत्तर हंसी, गर्मजोशी और थोड़ी-सी समझदारी के साथ बनी फिल्म है। इस फिल्म से दर्शकों को मनोरंजन के साथ कुछ सोचने को भी मिलेगा।

# योग अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान

हृदयनारायण दीक्षित

योग अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान है। इसके बीज सूत्र ऋग्वेद में है। उपनिषदों में है। गीता में विस्तृत हैं। बुद्ध पंथ में तमाम यौगिक क्रियाओं का उल्लेख है। मार्शल ने हड़प्पा सभ्यता पर 'मोहनजोदड़ो एंड दि इंडस सिविलाइजेशन' पुस्तक लिखी थी। इस ग्रंथ में शिव को आर्य देवताओं से भिन्न देवता बताया है। किताब में योग के बारे में लिखा है, ''शैव मत के समान योग का उद्भव भी आर्यों से पहले की आबादी में हुआ था। काव्यों के युग के पहले उसकी कोई महत्वपूर्ण भूमिका आर्यों के धर्म में नहीं थी।'' मार्शल का विवेचन सही नहीं है। वे सिंधु सभ्यता को वैदिक सभ्यता से प्राचीन मानते थे। उनकी मानें तो योग सिंधु सभ्यता के समय विकसित हुआ। वैदिक पूर्वजों ने इसे बहुत बाद में जाना। यह तथ्य संगत नहीं है। वैदिक पूर्वज योग से परिचित थे।

योग चित्त चंचलता की समाप्ति का विज्ञान है। योग के द्वारा बुद्धि का जागरण वैदिक काल में भी था। यह जागरण सामान्य नहीं है। ऋग्वेद (5.44.14) में कहते हैं, ''जो जागे हुए हैं। ऋचाएं उनकी कामना करती हैं।'' मन की चंचलता मनुष्य का स्वभाव है। स्थिरप्रज्ञता योग की उपलब्धि है। ऋग्वेद में इन्द्र से कहते हैं, ''आपका मन हमारी ओर हो। (8.45.6) वैदिक देव इन्द्र योग के विज्ञ थे। इन्द्र की प्रशंसा में कहते हैं, ''आपने जन्म लेते ही अपना मन स्थिर किया।'' सृजन का आनंद भी योग से मिलता है। ऋग्वेद (9.68.5) में कहते हैं, ''आनंद प्रशिक्षित मन से आता है।'' मार्शल की आधी बात ठीक है कि हड़प्पावासी योग से परिचित थे। मार्शल की यह बात गलत है कि ऋग्वैदिक काल में योग साधना नहीं थी। मार्शल की यह बात भी गलत थी कि आर्य जन योग से अपरिचित थे। ऋग्वेद में हिरण्यगर्भ का उल्लेख है। वे योग के प्रथम प्रवक्ता माने जाते हैं। योग को व्यवस्थित रूप में विज्ञान बनाने का काम ईसा की दूसरी सदी पूर्व पतंजलि ने किया था। माना जाता है कि वे पुष्यमित्र शुंग के परामर्शदाता थे। पतंजलि ने पाणिनि के व्याकरण पर महाभाष्य लिखा था। उन्होंने ही 'योगसूत्र' नामक महान ग्रंथ लिखा है।

भारतीय दर्शन में दुख का मूल कारण अविद्या है। सांसारिक भोग सुख नहीं देते। पतंजलि ने चित्तवृत्तियों को सुख-दुख का कारण माना है। सिग्मंड फ्रायड प्रसिद्ध मनसविद् थे। उन्होंने मन का मजेदार विश्लेषण किया है। उन्होंने तीन तरह के मन बताए हैं। पहला क्षिप्त मन। दूसरा विक्षिप्त मन और तीसरा मूढ़ मन। लेकिन पतंजलि ने मूढ़, क्षिप्त, विक्षिप्त, एकाग्र और निरुद्ध सहित चित्त की पांच अवस्थाएं बताईं। इन चित्त वृत्तियों की समाप्ति को योग का लक्ष्य बताया-योगश्च चित्त वृत्ति निरोधः (योगसूत्र 2) बताया। मनुष्य का चित्त द्रव्य या पदार्थ नहीं है। पदार्थ होता तो विज्ञान की पकड़ में आता। चित्त मनुष्य शरीर का अति सूक्ष्मतम अदृश्य भाग है। मन और शरीर मिले हुए हैं। मन खराब हो तो शरीर कष्ट पाता है। शरीर में चोट हो तो मन दुखी होता है। अपमान का अनुभव मन पर होता है। ताप शरीर पर होता है। बाईबिल में भी योग के संकेत हैं। बाइबिल (मैथ्यू 5.3) में कहते हैं, ''वे धन्य हैं जो मन के दीन हैं। स्वर्ग का राज्य उनका है।'' एकाग्र मन आनंद का स्रोत है।

मन महत्वपूर्ण है। यजुर्वेद के शिव संकल्प सूत्रों में मन को शिवत्व से भरने की स्तुति है। इसमें 6 मंत्र हैं। कहते हैं, ''हमारा मन नदी पर्वत आकाश तक जाता है। हम उसे वापस बुलाते हैं।'' सभी 6 मंत्रों के अंत में 'तन्मे मनः शिव संकल्पम अस्तु' जुड़ा हुआ है। चित्तवृत्तियों की समाप्ति से एकाग्रता आती है। एकाग्रता की प्राप्ति योगाभ्यास से होती है। मन के साथ शरीर भी स्वयं में स्थिर होता है। स्वयं में स्थिर होना स्वस्थ होना है। पतंजलि के सूत्र संक्षिप्त हैं। कहीं-कहीं एक ही शब्द का वाक्य है। वे आसन, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से आत्मबोध कराते हैं। आसन और प्राणायाम सरल शब्द हैं। ध्यान और समाधि कठिन है। ध्यान एकाग्रता है। पतंजलि के अनुसार ध्यान का केन्द्र केवल उपकरण है। योगसूत्र में प्रीतिकर विषय पर ध्यान के विकल्प हैं। योगसूत्र (समाधिपाद 39) में कहते हैं, ''यथाभिमतध्याना द्वा- जिसकी जैसी इच्छा हो उस केन्द्र पर ध्यान करे। फिर कहते हैं अथवा ईश्वर पर प्राण-ध्यान लगाएं-ईश्वर प्रणिधाना द्वा (वही 23) पतंजलि के सूत्रों में ईश्वर पर ध्यान एक विकल्प है। पतंजलि का ईश्वर सामान्य ईश्वर नहीं है। वे ईश्वर की परिभाषा भी बताते हैं, ''क्लेश, कर्म, कर्मफल और वासना से असम्बद्ध चेतना विशेष ईश्वर है (वही 24)। आगे कहते हैं, ''समय के पार होने के कारण वह गुरुओं का गुरु है।'' योग सिद्धि में समय नहीं होता। इस परिभाषा के अनुसार कोई भी योग के माध्यम से ईश्वर जैसा हो सकता है।

योग आनंद का सागर है। योग सिद्ध स्वस्थ व्यक्ति हिंसक नहीं हो सकता। उसके चित्त से सृजन फूटते हैं। योग सिद्धि के लगातार अभ्यास जरूरी है। उपलब्धि प्राप्ति के प्रति अनासक्ति से योग के लाभ मिलते हैं। पतंजलि ने स्वयं कहा है कि ''जिनके प्रयास मृदु या मध्यम होते हैं। उन्हें योग के लाभ उसी मात्रा व समय में मिलते हैं। जिनके प्रयास तीव्र होते हैं उन्हें योग का

मन महत्वपूर्ण है। यजुर्वेद के शिव संकल्प सूत्रों में मन को शिवत्व से भरने की स्तुति है। इसमें 6 मंत्र हैं। कहते हैं, ''हमारा मन नदी पर्वत आकाश तक जाता है। हम उसे वापस बुलाते हैं।'' सभी 6 मंत्रों के अंत में 'तन्मे मनः शिव संकल्पम अस्तु' जुड़ा हुआ है। चित्तवृत्तियों की समाप्ति से एकाग्रता आती है। एकाग्रता की प्राप्ति योगाभ्यास से होती है। मन के साथ शरीर भी स्वयं में स्थिर होता है। स्वयं में स्थिर होना स्वस्थ होना है।

फल तत्काल मिलता है। पतंजलि ने योग सिद्ध बुद्धि के लिए ऋतम्भरा शब्द का प्रयोग किया है-ऋतम्भरा तत्र प्रज्ञा। ऋतं शब्द पहली बार ऋग्वेद में आया है। इसका अर्थ अस्तित्व का संविधान है।

ऋतम्भरा साधारण बुद्धि नहीं है। एक बुद्धि मनुष्य की होती है। एक बुद्धि समूचे ब्रह्माण्ड की होती है। ऋतम्भरा पूरे ब्रह्माण्ड की बुद्धि है। फिर समाधि की चर्चा है। और अंततः कैवल्य की। योग दर्शन सत्य के द्वार खोलता है। योग से तमाम बीमारियों के उपचार भी होते हैं। लेकिन ऐसे उपचार योग के प्राथमिक चरण में ही पूरे हो जाते हैं। असली बात है कैवल्य या निर्बीज समाधि। तब योगी संसार में रहते, चलते, उठते, बैठते सभी अवस्थाओं में निस्पृह और निष्काम रहता है। योग विज्ञान भारतीय दर्शन का प्रतिष्ठित अंग है।

योग भारत का प्राचीन विज्ञान है। दर्शन भी है। इसकी स्वीकृति अंतरराष्ट्रीय है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इस महापर्व की तैयारियां उल्लासधर्मा हैं। भारत के सभी क्षेत्रों राज्यों में योग दिवस के आयोजन हो रहे हैं। भारतीय राष्ट्र जीवन में योग यत्र तत्र सर्वत्र है। बिना प्रयास किसी का मिलना-जुड़ना संयोग है। अलग हो जाना वियोग है। सहायक बना लेने का ज्ञान उपयोग हैं। आरोपित करना अभियोग है। वस्तुओं का उत्पादन करना उद्योग है। शक्ति का गलत प्रयोग दुरूपयोग है। शक्ति का प्रतिस्पर्धी प्रयोग प्रतियोग है। प्रतियोगिता शब्द इसी से बना है। ज्ञान को साधना का उपकरण बनाना ज्ञान योग है। भक्ति मार्ग भक्ति योग है। कर्म प्रधानता कर्म योग है। संसार को माया और ब्रह्म को वास्तविक जान संन्यास योग है। ज्योतिष में गृह स्थितियों की अनुकूलता संयोग है। गणित में अंकों का जोड़ भी योग है। योग जोड़ने का विज्ञान है। आत्मबोध का दर्शन है। यह अंधविश्वास नहीं है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व

## हमने हार नहीं मानी, यही अर्जेंटीना की पहचान है : कोच लियोनेल स्कालोनी

एजेंसी

**अटलांटा।** मिस्र के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के रोमांचक प्री-क्वार्टर फाइनल में 3-2 की शानदार वापसी जीत के बाद अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के जज़्बे की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की जीत नहीं, बल्कि अर्जेंटीना की लड़ने वाली मानसिकता का सबसे बड़ा उदाहरण है। स्कालोनी ने मैच के बाद कहा, हमने अपने समर्थकों को काफी परेशान किया, जबकि हमने कोई खराब मैच नहीं खेला। मैं ऐसे ही पलों के लिए कोच हूं। आज जो हमने देखा, उसका महत्व सिर्फ अगले दौर में पहुंचने से कहीं बड़ा है। अगर हमने आखिरी तक लड़ाई नहीं लड़ी होती, तो हम बाहर हो चुके होते। उन्होंने कहा कि स्कोरलाइन से ऐसा लग सकता है कि टीम ने खराब प्रदर्शन किया, लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी। उन्होंने कहा, मिस्र एक बेहतरीन टीम है और उसने अपने मौके भुनाए। लेकिन हमने भी तीन-चार बेहद अच्छे मौके बनाए थे। अगर उनमें से एक-दो गोल हो जाते तो आज कोई इस तरह की चर्चा नहीं करता। हमें अंत तक संघर्ष करना पड़ा। जब अर्जेंटीना दो गोल से पीछे थी, तब भी स्कालोनी को भरोसा था कि उनकी टीम मैच में वापसी करेगी। उन्होंने कहा, जब टीम मैच पर नियंत्रण खो देती है तब चिंता होती है, लेकिन आज ऐसा नहीं था। मुझे लगातार लग रहा था कि मुकाबला हमारे पक्ष में जाएगा क्योंकि हम लगातार मौके बना रहे थे।

## वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ जीती टेस्ट सीरीज, दूसरा मैच ड्रॉ

**एंटीगा।** वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। एंटीगा में खेला गया दूसरा और अंतिम टेस्ट मुकाबला मंगलवार को ड्रॉ रहा, जिससे मेजबान टीम ने 23 वर्षों बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा किया। साथ ही फरवरी 2023 के बाद यह वेस्टइंडीज की पहली टेस्ट सीरीज जीत भी है। पहले टेस्ट में पारी और बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के बाद वेस्टइंडीज सीरीज में 1-0 से आगे था। दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने अंतिम दिन तेजी से रन बनाकर जीत की कोशिश की। कप्तान धनंजय डी सिल्वा, सोनल दिनुषा और मिलान रत्नायके ने तेज़ पारियां खेलीं, जिससे श्रीलंका ने दूसरी पारी 251/9 पर घोषित करते हुए वेस्टइंडीज के सामने 362 रन का लक्ष्य रखा। हालांकि अंतिम सत्र में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने बिना किसी नुकसान के 109 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक पूरे किए और इसके बाद दोनों टीमों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 549/9 घोषित किए थे। लाहिरू उदारा ने 188 रन, सोनल दिनुषा ने 92 और कमिंदु मेंडिस ने 84 रन बनाए।

## मैनचेस्टर सिटी ने नए कोचिंग स्टाफ का किया ऐलान, विली कैबलेरो की क्लब में वापसी

**मैनचेस्टर ।** इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी ने नए मैनेजर एन्जो मारेस्का के साथी कोचिंग स्टाफ की आधिकारिक घोषणा कर दी है। मारेस्का की इस नई टीम में सबसे बड़ा नाम क्लब के पूर्व गोलकीपर विली कैबलेरो का है, जिन्होंने कई साल बाद एक बार फिर मैनचेस्टर सिटी में वापसी की है। क्लब ने बताया कि रॉबर्टो विटिएलो, विली कैबलेरो, डैनी वॉकर, मिशेल डी बर्नार्डिन, मार्कोस अल्वारेज, डेनिस सिल्वा और जेवियर मोलिना, एन्जो मारेस्का की नई टीम का हिस्सा होंगे। इसके अलावा सेट-पीस कोच जेम्स फ्रेंच और गोलकीपिंग कोच रिचर्ड राइट अपने मौजूदा पद पर बने रहेंगे। 43 वर्षीय एन्जो मारेस्का को पिछले महीने तीन साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर सिटी का नया मैनेजर बनाया गया था। उनके साथ लंबे समय से काम कर रहे रॉबर्टो विटिएलो अब सहायक मैनेजर की जिम्मेदारी संभालेंगे। विटिएलो और मारेस्का का साथ खिलाड़ी के रूप में भी रहा है। दोनों ने इटली के कई क्लबों के लिए एक साथ खेला और बाद में कोचिंग में भी साथ काम किया। उन्होंने पर्मा, लीसेस्टर सिटी और चेल्सी में भी मारेस्का के साथ जिम्मेदारी निभाई। अर्जेंटीना के पूर्व गोलकीपर विली कैबलेरो ने 2014 से 2017 के बीच मैनचेस्टर सिटी के लिए 48 मुकाबले खेले थे। वह क्लब के लिए लीग कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे थे और पेनल्टी शूटआउट में उनके शानदार प्रदर्शन को आज भी याद किया जाता है।

## फीफा वर्ल्ड कप: क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले बढ़ी इंग्लैंड की मुश्किलें, रीस जेम्स के खेलने पर संशय बरकरार

**कैनसस सिटी ।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम के स्टार डिफेंडर रीस जेम्स का नॉर्वे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलना अभी तय नहीं है। हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे जेम्स बुधवार को भी टीम के साथ ट्रेनिंग नहीं कर पाए। रीस जेम्स को घाना के खिलाफ इंग्लैंड के दूसरे ग्रुप मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। गोलरहित ड्रॉ रहे इस मैच के बाद से वह टीम से बाहर हैं। वह रविवार को मेक्सिको के खिलाफ खेले गए राउंड ऑफ-16 मुकाबले में भी मैदान पर नहीं उतर सके थे। इंग्लैंड ने इस मैच में मेक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई है। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल के लिए डिफेंस को लेकर चिंता बढ़ गई है। मेक्सिको के खिलाफ मैच में जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिला था।

# इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से किया संन्यास का ऐलान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 35 वर्षीय ब्यूमोंट भारत के खिलाफ शुक्रवार से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के बाद अपने 17 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करेंगी। लॉर्ड्स में होने वाला यह पहला महिला टेस्ट मैच उनके करियर का विदाई मुकाबला भी होगा। साल 2009 में इंग्लैंड के लिए पदार्पण करने वाली ब्यूमोंट ने अपने करियर में 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह इंग्लैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 12 शतक लगाने वाली महिला बल्लेबाज हैं। वह इंग्लैंड की उन केवल दो महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा है। इसके अलावा 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 208 रन की पारी खेलकर वह महिला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की पहली दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी थीं। संन्यास की घोषणा करते हुए टैमी ब्यूमोंट ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के हवाले से कहा, करीब 17 वर्षों तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब मैं छोटी बच्ची थी और क्रिकेट से प्यार हुआ था, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि इंग्लैंड के लिए खेलना एक विकल्प हो सकता है। आज यह देखकर बेहद खुशी होती है कि खासकर इस गर्मी में कितनी लड़कियां और लड़के क्रिकेट से प्रेरित हुए हैं और हमारे देश में इस खेल ने कितनी लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने आगे कहा,हम हमेशा चाहते थे कि हम इंग्लैंड की कैप को अगली पीढ़ी तक सम्मान के साथ पहुंचाएं। अब समय आ गया है कि मैं यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को सौंप दूं। लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर उन्होंने कहा, लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो महिलाओं का यहां पहला टेस्ट होगा, मेरे करियर को अलविदा कहने के लिए बिल्कुल सही अवसर है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना यादगार और खास होगा। ब्यूमोंट महिला क्रिकेट में पेशेवर अनुबंध पाने वाली शुरुआती खिलाड़ियों में शामिल थीं। उन्हें 2015 में पहला केंद्रीय अनुबंध मिला था। इसके दो साल बाद 2017 महिला वनडे विश्व कप में उन्होंने 410 रन बनाकर टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और इंग्लैंड को घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

## प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिली एफआईवीबी की मान्यता, 30 नवंबर से शुरू होगा सीजन-5

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत की प्रमुख प्रोफेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) को अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने भारत की प्रथम श्रेणी की प्रोफेशनल वॉलीबॉल लीग के रूप में आधिकारिक मान्यता प्रदान कर दी है। इसी के साथ लीग के पांचवें सीजन की शुरुआत 30 नवंबर 2026 से होगी, जबकि खिलाड़ियों की नीलामी 17 अगस्त 2026 को गोवा में आयोजित की जाएगी। एफआईवीबी की इस मान्यता के बाद प्राइम वॉलीबॉल लीग में भाग लेने वाले क्लब अब निर्धारित नियमों और क्वालिफिकेशन के आधार पर सेंट्रल एशियन वॉलीबॉल एसोसिएशन, एशियन वॉलीबॉल कॉन्फेडरेशन और एफआईवीबी क्लब प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के पात्र होंगे। इससे भारतीय क्लबों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मिलेगा। बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक तथा प्राइम वॉलीबॉल लीग के निदेशक तुहिन मिश्रा ने कहा, सीजन-5 हमारे लिए एक ऐतिहासिक पड़ाव है। एफआईवीबी की मान्यता पिछले चार वर्षों में लीग को मजबूत, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक स्तर का मंच बनाने के प्रयासों की बड़ी पहचान है। हमारा लक्ष्य भारतीय खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर सफलता के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। प्राइम वॉलीबॉल लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉय भट्टाचार्य ने कहा, शुरुआत से हमारा उद्देश्य केवल एक लीग आयोजित करना नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल के भविष्य को मजबूत बनाना रहा है।

## लखनऊ से 18 पदक जीतकर लौटे मुरादाबाद मंडल के तैराकों का हुआ स्वागत अभिनंदन

एजेंसी

**मुरादाबाद।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 3 से 5 जुलाई तक आयोजित प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक एवं बालिका तैराकी प्रतियोगिता 2026-27 में मुरादाबाद मंडल के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 18 पदक जीतकर मंडल का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत और रिले स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। मुरादाबाद में सभी खिलाड़ियों का स्वागत अभिनंदन हुआ। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के क्षेत्रीय सचिव अजय पाठक ने बताया कि प्रतियोगिता में पहले दिन मुरादाबाद के सहज ने 50 मीटर फ्री स्टाइल में कांस्य और 100 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। आध्या ने 100 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्ण, जबकि ऐश्वर्या ने 50 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक अपने नाम किया। आरोही ने 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीता। वहीं आरोही, रिमीषा, आध्या और इशिता की टीम ने चार गुणा 200 मीटर फ्री स्टाइल रिले में कांस्य पदक हासिल किया। दूसरे दिन नमन ने 200 मीटर फ्री स्टाइल और 400 मीटर फ्री स्टाइल में कांस्य पदक जीते। आध्या ने 200

मीटर बैक स्ट्रोक और 100 मीटर इंडिविजुअल मेडले (आईएम) में रजत पदक अपने नाम किए। ऐश्वर्या ने 200 मीटर बैक स्ट्रोक में रजत और आरोही ने 100 मीटर बटरफ्लाई में रजत पदक जीता। इसके अलावा आरोही, रिमीषा, आध्या और इशिता की टीम ने चार गुणा 200 मीटर मेडले रिले में रजत पदक हासिल किया। तीसरे दिन सहज ने 50 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन दोहराया। आध्या ने 50 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्या ने 50 मीटर बैक स्ट्रोक में रजत और आरोही ने 200 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं आरोही, रिमीषा, आध्या और इशिता की टीम ने चार गुणा 100 मीटर फ्री स्टाइल रिले में रजत पदक जीता।

## खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 की मेजबानी करेगा तेलंगाना

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने घोषणा की कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईयूजी) 2026 की मेजबानी तेलंगाना करेगा। खेलों का आठवां संस्करण इस वर्ष नवंबर में आयोजित होने की संभावना है। इसके साथ ही पिछले तीन वर्षों में तेलंगाना खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी करने वाला दूसरा दक्षिण भारतीय राज्य होगा। इससे पहले 2024 में तमिलनाडु और 2025 में बिहार ने सातवें संस्करण की मेजबानी की थी। डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश के सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय खेल आयोजनों को पहुंचाने के विजन के अनुरूप तेलंगाना को यह जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के पास उत्कृष्ट खेल अवसंरचना और आयोजन को सफल बनाने का पर्याप्त उत्साह है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 8,000 खिलाड़ी, अधिकारी और सहयोगी स्टाफ भाग लेंगे। खेल मंत्री ने कहा कि एशियाई खेल 2026 के बाद होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में खिलाड़ियों से उच्चस्तरीय प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवा खिलाड़ियों के लिए अपने आदर्श खिलाड़ियों को करीब से देखने और उनसे प्रेरणा लेने का बेहतरीन अवसर होगा।

पिछले संस्करण में महाराष्ट्र रहा था चैंपियन

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र पहले, हरियाणा दूसरे और राजस्थान तीसरे स्थान पर रहा था। मेजबान बिहार 15वें और तेलंगाना 13वें स्थान पर रहा। वहीं 2024 में मेजबान तमिलनाडु दूसरे स्थान पर रहा था, जबकि तेलंगाना ने छठा स्थान हासिल किया था।

बिहार में आयोजित पिछले संस्करण में 28 खेलों को शामिल किया गया था। इनमें 27 खेलों में पदक दिए गए, जबकि ई-स्पोर्ट्स को प्रदर्शन खेल (डेमोंस्ट्रेशन इवेंट) के

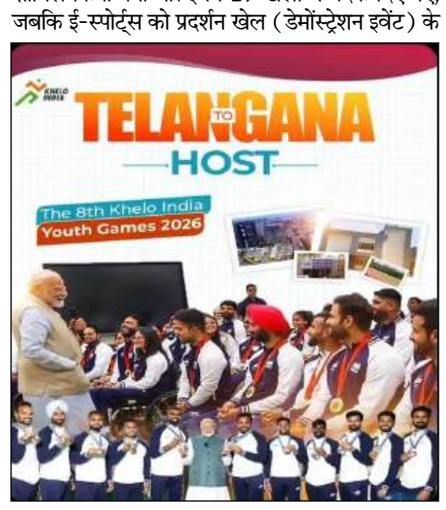


रूप में शामिल किया गया था। प्रतियोगिता के दौरान 26 नए रिकॉर्ड बने, जिनमें 13 राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड थे और ये सभी वेटलिफ्टिंग में बने। बाकी रिकॉर्ड एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में दर्ज किए गए।

## साई और सफदरजंग स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के बीच समझौता, खेल विज्ञान और खिलाड़ियों की चिकित्सा सुविधाओं को मिलेगा नया बल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और सफदरजंग स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर (एसआईसी) ने खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा और पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह पहल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों का हिस्सा है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा, चोटों की रोकथाम, पुनर्वास, अनुसंधान, नवाचार, शिक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। इसका उद्देश्य दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता, आधुनिक बुनियादी ढांचे और वैज्ञानिक संसाधनों का उपयोग करते हुए भारतीय खिलाड़ियों तथा सहयोगी स्टाफ को समग्र और वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना है। एमओयू पर हस्ताक्षर खेल मंत्रालय के सचिव हरी रंजन राव और स्वास्थ्य मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की

उपस्थिति में हुए। साई की ओर से खेल विज्ञान प्रभाग के कार्यकारी निदेशक ब्रिगेडियर (डॉ) बिभु कल्याण नायक तथा सफदरजंग स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर की ओर से निदेशक डॉ. दीपक जोशी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर हरी रंजन राव ने कहा कि उच्च प्रदर्शन वाले खेलों का भविष्य खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा के प्रभावी समन्वय पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी खिलाड़ियों की निगरानी, चोटों से उबरने, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर भारत में विश्वस्तरीय खेल सहायता तंत्र विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि आधुनिक खेलों में खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य तथा प्रदर्शन के लिए अनिवार्य हो चुके हैं। यह साझेदारी चोटों की रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में मजबूत व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ब्रिगेडियर (डॉ) बिभु कल्याण नायक ने बताया कि इस सहयोग से बहु-विषयक अनुसंधान, मानकीकृत खेल विज्ञान एवं चिकित्सा प्रोटोकॉल, ज्ञान के आदान-प्रदान और उन्नत खिलाड़ी सहायता सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, डॉ. दीपक जोशी ने कहा कि यह समझौता खेल चिकित्सा, अनुसंधान, शिक्षा और पुनर्वास सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगा।

## आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में जस्टिन ग्रीव्स, फर्नांडो को फायदा, टी-20 में बेथेल टॉप 10 में पहुंचे

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी ताजा पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो को शानदार प्रदर्शन का बड़ा इनाम मिला है। एंटीगुआ में खेले गए वेस्टइंडीज-श्रीलंका टेस्ट के बाद ग्रीव्स बल्लेबाज़ी रैंकिंग में 14 स्थान की छलांग लगाकर 49वें स्थान पर पहुंच गए। ग्रीव्स ने पहली पारी में 180 रन बनाए थे। गेंदबाज़ी रैंकिंग में भी वह 69वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑलराउंडर रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज हो गए हैं। ग्रीव्स को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पहली पारी में 5 विकेट लेने के बाद गेंदबाज़ों की रैंकिंग में फिर से टॉप-20 में लौट आए हैं। बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में श्रीलंका के कमिंदु मेंडिस दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के शाई होप (51वें), अमीर जंगू (60वें) और जॉन कैंपबेल (64वें) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। वनडे रैंकिंग में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले वनडे में 6 विकेट लेकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। वह 17 स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगारावा 19वें और ब्लेसिंग मुजरबानी 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज़ जैकब बेथेल भारत के खिलाफ दूसरे टी-20 में नाबाद 76 रन बनाने के बाद करियर की सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने तीन पारियों में 110 रन बनाने के बाद 425 स्थान की लंबी छलांग लगाते हुए 93वां स्थान हासिल किया।

# आईएसएल 2026-27 फिर पुराने प्रारूप में खेला जाएगा, क्लबों को मिलेंगे पूर्ण व्यावसायिक अधिकार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सीजन अपने पुराने होम एंड अवे प्रारूप में वापसी करेगा। नए सीजन में सभी टीमें अपने घरेलू और बाहर के मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद नॉकआउट चरण आयोजित होगा।ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआईएफएफ के अधिकारियों के साथ एफसी गोवा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पिछले सीजन में एआईएफएफ की प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियों के कारण लीग की शुरुआत में देरी हुई थी, जिसके चलते प्रतियोगिता को केवल राउंड-रॉबिन प्रारूप में

आयोजित किया गया था। एफसी गोवा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवि पुस्कुर ने कहा, इस बार हमें पूरा सीजन मिलेगा, जिसमें हर टीम अपने सभी घरेलू और बाहर के मुकाबले खेलेगी। पिछले साल की तरह संक्षिप्त प्रारूप नहीं रहेगा। हम एआईएफएफ के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं ताकि लीग को पहले से भी अधिक सफल बनाया जा सके।नई व्यवस्था के तहत आईएसएल के व्यावसायिक अधिकार क्लबों के पास होंगे, जबकि एआईएफएफ प्रशासनिक नियंत्रण और प्रमुख संचालन संबंधी जिम्मेदारियां अपने पास रखेगा। एआईएफएफ के उप महासचिव एम. सत्यनारायण ने कहा, हमारी ओर से इस लीग को एशिया की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल लीगों में शामिल करने की पूरी प्रतिबद्धता है। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के सीईओ मंदार ताम्हाणे ने कहा, यह पूरी तरह ब्रॉडकास्ट आधारित मॉडल होगा। हम क्लब-आधारित मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं क्योंकि क्लब और एआईएफएफ दोनों का मानना है कि दीर्घकालिक व्यावसायिक और वित्तीय स्थिरता के लिए यही सबसे उपयुक्त रास्ता है। उन्होंने बताया कि क्लब जल्द ही ब्रॉडकास्ट पार्टनर चुनने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी करेंगे और प्रायोजकों के साथ भी काम करेंगे।

## साई केंद्र धर्मशाला में कबड्डी खिलाड़ियों के ट्रॉयल 15 और 16 जुलाई को

एजेंसी

**धर्मशाला।** भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, धर्मशाला द्वारा कबड्डी खेल में बालिका खिलाड़ियों के लिए 15 से 16 जुलाई तक चयन परीक्षण आयोजित किए जाएंगे। सहायक निदेशक, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को एसएआई के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा उच्च स्तरीय कोचिंग, खेल किट, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं एवं उपकरण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी, शैक्षणिक सहायता, निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं तथा खेल विज्ञान विशेषज्ञों का सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयन परीक्षण के लिए रिपोर्टिंग 15 जुलाई, 2026 को प्रातः 8 बजे होगी। चयन परीक्षण में अंडर-18 आयु वर्ग की वे खिलाड़ी पात्र होंगी जिनकी जन्मतिथि 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2010 के बीच हो। इसके अतिरिक्त 19-20 वर्ष आयु वर्ग की उत्कृष्ट खिलाड़ी (जन्मतिथि 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007 के बीच) भी आवेदन कर सकती हैं। हालांकि चयन प्रक्रिया में 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग की पात्र खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। खेल उपलब्धि के रूप में अभ्यर्थी का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता होना अथवा भारतीय कबड्डी महासंघ से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, सब-जूनियर, जूनियर, अंडर-18 राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई), अंडर-17 राष्ट्रीय चैंपियनशिप, खेलो इंडिया यूथ गेम्स अथवा सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त होना आवश्यक है। चयन परीक्षण भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, खेल परिसर, निकट क्रिकेट स्टेडियम, धर्मशाला में आयोजित होगा। अभ्यर्थियों को रिपोर्टिंग के समय स्वप्रमाणित फोटो प्रतियों के साथ जन्मतिथि प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, खेल उपलब्धि प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र तथा चार पासपोर्ट आकार के फोटो सहित मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

## फीफा विश्व कप 2026 : क्वार्टर फाइनल की आठों टीमें तय

एजेंसी

**नई दिल्ली।** फीफा विश्व कप 2026 अब अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। राउंड ऑफ-16 के सभी मुकाबले समाप्त होने के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने

वाली आठों टीमों का फैसला हो गया है। अब खिताब की दौड़ में फ्रांस, मोरक्को, स्पेन, बेल्जियम, नॉर्वे, इंग्लैंड, अर्जेंटीना और स्विट्जरलैंड बची हैं। इस विश्व कप में कई बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। पराग्वे ने जर्मनी को हराकर इतिहास रच दिया, जबकि ब्राजील का 24 वर्षों बाद भी विश्व चैंपियन बनने का सपना टूट गया और नॉर्वे ने उसे बाहर कर दिया। मोरक्को ने नीदरलैंड्स को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। पहली बार विश्व कप खेलने वाली केप वर्डे ने भी अपने संघर्षपूर्ण खेल से प्रशंसकों का दिल जीत लिया।

# सौरव गांगुली की बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक जारी, 14 मई 2027 को होगी रिलीज

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के जन्मदिन के मौके पर उनकी बहुप्रतीक्षित बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 14 मई 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में राजकुमार राव सौरव गांगुली के ऐतिहासिक लॉर्ड्स बालकनी में जर्सी लहराने वाले प्रतिष्ठित अंदाज को दोहराते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य 2002 के नैटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में इंग्लैंड पर भारत की यादगार जीत के बाद का है, जिसे भारतीय क्रिकेट के नए और निडर दौर की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

**गांगुली बोले- जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा**

सौरव गांगुली ने फर्स्ट लुक जारी होने पर कहा,जन्मदिन हमेशा खास होता है और आज मेरी बायोपिक 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक सामने आना

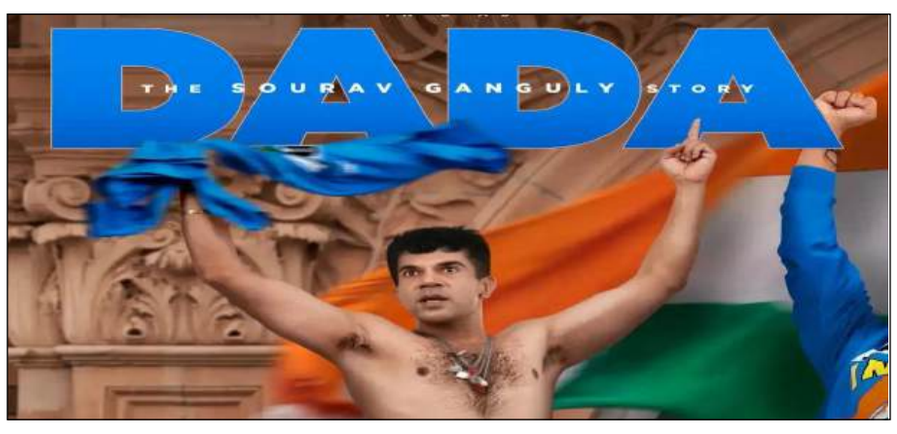


इसे और भी यादगार बना देता है। यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन जन्मदिन का उपहार है। पोस्टर ने मेरे क्रिकेट करियर की सबसे यादगार यादों को फिर से जीवंत कर दिया। राजकुमार राव ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि दर्शक 14 मई 2027 को सिनेमाघरों में इस फिल्म का भरपूर आनंद लेंगे।

गांगुली के संघर्ष और नेतृत्व की कहानी दिखाएगी फिल्म फिल्म में सौरव गांगुली के युवा क्रिकेटर से भारतीय टीम के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक बनने तक के सफर को दिखाया जाएगा। इसमें उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और भारतीय क्रिकेट की सोच बदलने वाले फैसलों को बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवाने ने किया है। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। फिल्म को टी-सीरीज और डीबीएल प्रस्तुत कर रहे हैं। 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' 14 मई 2027 को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## भारत के व्यापार और निवेश लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में आईसीएआई निभा सकता है अहम भूमिका: पीयूष गोयल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के नेतृत्व के साथ बैठक के बाद कहा कि संस्थान के साथ मजबूत सहयोग भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने और वैश्विक व्यापार में देश की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैठक में सरकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पेशे के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई, ताकि व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत किया जा सके। पीयूष गोयल ने कहा कि बैठक में इस बात पर भी विचार-विमर्श हुआ कि बदलते वैश्विक आर्थिक माहौल में व्यवसायों को नए अवसरों का लाभ उठाने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका कैसे और अधिक प्रभावी बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश के बदलते परिदृश्य के अनुरूप कारोबारों को खुद को ढालने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्ना कुमार डी के साथ सार्थक बैठक हुई, जिसमें भारत की आर्थिक वृद्धि और वैश्विक व्यापारिक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए सहयोग मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।' मंत्री ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े इकोसिस्टम में संस्थागत भागीदारी बढ़ाने पर भी विचार किया गया। उन्होंने कहा कि आईसीएआई जैसे पेशेवर संस्थानों की अधिक भागीदारी से कारोबारियों को भारत के बढ़ते मुक्त व्यापार समझौतों से मिलने वाले अवसरों को बेहतर ढंग से समझने और उनका लाभ उठाने में मदद मिलेगी। पीयूष गोयल ने कहा, 'हमने व्यापार और निवेश को सुगम बनाने में अकाउंटिंग प्रोफेशन की बदलती भूमिका, एफटीए इकोसिस्टम में संस्थागत भागीदारी बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर उभरते नए अवसरों का लाभ उठाने में कारोबारों को सहयोग देने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की।' उन्होंने कहा कि इस बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि नीति-निर्माताओं और पेशेवर संस्थाओं के बीच मजबूत सहयोग व्यापार, निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर ऐसे समय में जब भारत वैश्विक बाजारों के साथ अपनी भागीदारी लगातार बढ़ा रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में भी पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत के नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और नवाचार (इनोवेशन) के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे देश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा।

## पश्चिम एशिया में सीजफायर खत्म होने का ऐलान होने से कच्चे तेल की कीमत में लगी आग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ सीजफायर खत्म करने का ऐलान करने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर जोरदार तेजी का रुख बन गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 6.6 प्रतिशत से भी ज्यादा उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी 6.9 प्रतिशत तक की छलांग लगाई। होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते गुजरने वाले कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद बने डर के माहौल में आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने 2.02 डॉलर प्रति बैरल की मजबूती के साथ 76.18 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर के लिए ब्रेंट क्रूड गिर कर 75.52 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचा लेकिन इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई। दिन के कारोबार के बीच ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर को लेकर दिए बयान की वजह से कच्चे तेल की कीमत में अचानक जोरदार तेजी का रुख बन गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर दो बजे के करीब ब्रेंट क्रूड 6.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 79.08 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में थोड़ी गिरावट भी आई।

## स्टॉक मार्केट में नैक पैकेजिंग की मजबूत शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

**नई दिल्ली।** इंटीग्रेटेड पैकेजिंग सॉल्यूशन देने वाली कंपनी नैक पैकेजिंग के शेयरों ने स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 170 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 9.41 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 186 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.59 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 188 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 192 रुपये तक चढ़ गया, लेकिन बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये टूट कर 180.25 रुपये के स्तर तक भी आया। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद नैक पैकेजिंग के शेयर बीएसई पर 12.70 रुपये प्रति शेयर यानी 7.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 182.70 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 12.98 रुपये प्रति शेयर यानी 7.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 182.98 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस कंपनी का 439.50 करोड़ रुपये का आईपीओ एक से तीन जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 87.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 160.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

## पश्चिम एशिया में तनाव के डर से ध्वस्त हुआ शेयर बाजार, बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ सीजफायर खत्म करने का एलान करते ही आज दुनिया भर के शेयर बाजार में कोहराम मच गया। इस ऐलान के बाद घरेलू शेयर बाजार भी बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। छुट्टियांव मौसमी आयोजन निगेटिव ग्लोबल सेंटिमेंट्स के कारण बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ता गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी कमजोर पड़ती चली गई। दोपहर दो बजे के थोड़ी देर पहले सीजफायर खत्म होने का ऐलान होते ही बाजार पूरी तरह से धराशाई हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.15 प्रतिशत और निफ्टी 2.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। पीएसयू बैंक के शेयरों में आज जबरदस्त बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी का पीएसयू बैंक इंडेक्स 2.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी का प्राइवेट बैंक इंडेक्स भी 2.42 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया।

## युवाओं के लिए ओप्पो की नई रेनो 16 सीरीज लॉन्च: एआई तकनीक से होगी प्रोफेशनल फोटोग्राफी

**जयपुर।** राजधानी जयपुर में ओप्पो इंडिया ने अपनी नई रेनो 16 सीरीज लॉन्च की। इसमें रेनो 16 5जी और रेनो 16सी 5जी स्मार्टफोन पेश किए गए हैं। ओप्पो इंडिया की पीआर एंड कम्युनिकेशंस हेड गोल्डी पटनायक ने बताया कि नई सीरीज युवाओं की रचनात्मकता और बेहतर फोटोग्राफी को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। पटनायक के अनुसार इस सीरीज में भारत का पहला होलोवर्स 3डी डिज़ाइन, 50 मेगापिक्सल एआई पोर्ट्रेट कैमरा, 3.5 गुना टेलीफोटो लेंस, सभी फोकल लंबाइयों पर 4के 60 फ्रेम प्रति सेकंड एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित रचनात्मक सुविधाएं दी गई हैं। रेनो 16 में 6.32 इंच और रेनो 16सी में 6.57 इंच का एमोलेड डिस्प्ले, 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट, आईपी66, आईपी68, आईपी69 और आईपी69के जल व धूल प्रतिरोधी सुरक्षा तथा एयरोस्पेस ग्रेड एल्यूमिनियम फ्रेम दिया गया है। रेनो 16 में स्नैपड्रैगन 7 जेनरेशन 4 प्रोसेसर, 6700 एमएएच बैटरी और 80 वॉट सुपरवूक फास्ट चार्जिंग है, जबकि रेनो 16सी में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 प्रोसेसर, 7000 एमएएच बैटरी और 80 वॉट फास्ट चार्जिंग दी गई है।

## पंजाब एंड सिंध बैंक को गिफ्ट सिटी में आईएफएससी बैंकिंग यूनिट खोलने की मिली मंजूरी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) से अपनी पहली आईएफएससी बैंकिंग इकाई (आईबीयू) स्थापित करने के लिए लाइसेंस मिल गया है। बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि उसे गुजरात के गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में आईएफएससी बैंकिंग इकाई (आईबीयू) शुरू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) से मंजूरी मिल गई है। पंजाब एंड सिंध बैंक ने कहा कि यह कदम बैंक की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग मौजूदगी बढ़ाने और विश्व-स्तरीय ऑफशोर बैंकिंग सेवाएं देने की दिशा में एक अहम कदम है। पंजाब एंड सिंध बैंक के अनुसार आईबीयू विदेशी मुद्रा बैंकिंग, व्यापार वित्त और अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं के जरिए कॉर्पोरेट, वित्तीय संस्थानों, आयातकों और वैश्विक निवेशकों की फाइनेंसिंग आवश्यकताओं को पूरा करेगा। बैंक ने कहा कि यह कदम बैंक के लिए वैश्विक वित्तीय बाजारों में प्रवेश का एक ऐतिहासिक अवसर है, जो विदेशी मुद्रा ऋण और व्यापार वित्त को बढ़ावा देगा। बैंक ने कहा कि वह अपनी अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षमताओं को मजबूत करते हुए गिफ्ट आईएफएससी को एक प्रमुख विश्वव्यापी केंद्र के तौर पर विकसित करने के भारत सरकार के विजन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## डुकाटी डायवेल वी4 का नया काला रोडस्टर संस्करण भारत में लॉन्च, दमदार लुक के साथ शुरू हुई बुकिंग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रीमियम दोपहिया वाहन निर्माता डुकाटी ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय डायवेल वी4 का नया काला रोडस्टर संस्करण पेश कर दिया है। इस नए रंग संयोजन के साथ अब यह दमदार मोटरसाइकिल ग्राहकों के लिए तीन अलग-अलग रंग विकल्पों में उपलब्ध होगी। कंपनी ने नए संस्करण को पहले की तुलना में अधिक आकर्षक और आक्रामक रूप देने की कोशिश की है, जबकि इसके इंजन और प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आकर्षक रंग संयोजन ने बढ़ाया दमदार अंदाज डायवेल वी4 के नए संस्करण में चमकदार काले रंग के साथ पीले रंग की आकर्षक आकृतियां दी गई हैं, जो इसे सड़क पर अलग पहचान देती हैं। इसके अलावा टाइटेनियम जैसी फिनिश वाले हिस्से और नए स्वरूप वाला आसन आवरण इसकी खूबसूरती को और निखारते हैं। कुल मिलाकर नया रंग संयोजन इस मोटरसाइकिल को पहले से अधिक प्रीमियम और स्पोर्टी स्वरूप प्रदान करता है। नए संस्करण में 1,158 सीसी क्षमता वाला वी4 ग्रांटूरिस्मो इंजन दिया गया है। यह इंजन 10,750 चक्र प्रति मिनट पर 168 अश्वशक्ति और 7,500 चक्र प्रति मिनट पर 126



न्यूटन मीटर का अधिकतम बल उत्पन्न करता है। इंजन के साथ छह गति वाला गियरबॉक्स दिया गया है, जिसमें दोनों दिशाओं में बिना क्लच के गियर बदलने की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रदर्शन के लिहाज से यह मोटरसाइकिल पहले की तरह ही दमदार बनी हुई है। डायवेल वी4 के इस नए संस्करण में पूरी तरह समायोजित किए जा सकने वाले सस्पेंशन, उच्च क्षमता वाले ब्रेक, विभिन्न सवारी मोड, मोड़ के दौरान कार्य करने वाली ब्रेक सुरक्षा प्रणाली, पहियों की पकड़ बनाए रखने वाली प्रणाली तथा अगले पहिए को अनियंत्रित रूप से ऊपर उठने से रोकने वाली सुविधा जैसी कई आधुनिक तकनीकें दी गई हैं। ये सभी सुविधाएं बेहतर नियंत्रण और सुरक्षित सवारी का अनुभव प्रदान करती हैं। डुकाटी डायवेल वी4 काला रोडस्टर संस्करण की एक्स शोरूम कीमत 29.98 लाख रुपये तय की गई है। यह लाल रंग वाले संस्करण की तुलना में 32 हजार रुपये महंगा है, जबकि सामान्य काले रंग वाले संस्करण से इसकी कीमत 59,400 रुपये अधिक रखी गई है। कंपनी ने इस नए संस्करण की बुकिंग देशभर के अपने अधिकृत बिक्री केंद्रों पर शुरू कर दी है। ग्राहकों को इसकी डिलीवरी जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

## 10 जुलाई को दस्तक देगा फॉक्सवैगन टायरॉन का नया संस्करण, कम कीमत में मिल सकते हैं कई प्रीमियम फीचर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** फॉक्सवैगन ने अपनी बहुप्रतीक्षित टायरॉन के नए और अपेक्षाकृत किफायती संस्करण की झलक साझा करते हुए इसकी लॉन्च तिथि की आधिकारिक घोषणा कर दी है। कंपनी इस नए संस्करण को 10 जुलाई को भारतीय बाजार में पेश करेगी। इससे पहले इस मॉडल के अधिक किफायती रूप में आने की चर्चाएं थीं, जिन पर अब कंपनी ने मुहर लगा दी है। जारी किए गए झलक वीडियो में वाहन के बाहरी और भीतरी स्वरूप की कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। बाहरी स्वरूप में मिलेगा नया अंदाज नए संस्करण में सामने की ओर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था देखने को मिलेगी, जो ऊंचे संस्करण से काफी हद तक मिलती-जुलती है। इसमें प्रक्षेपक आधारित प्रकाश इकाइयों के साथ दोनों ओर की रोशनियों को जोड़ने वाली प्रकाश पट्टी और बीच में प्रकाशित कंपनी का प्रतीक चिन्ह दिया गया है। हालांकि आगे की जाली और अगले हिस्से के निचले स्वरूप का पूरा खुलासा नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि इसे अधिक सादगीपूर्ण रूप दिया जाएगा, जिससे यह ऊंचे संस्करण से अलग पहचान बना सके।



वाहन के किनारे नए डिजाइन वाले मिश्रधातु के पहिए दिखाई देते हैं। इनका आकार अभी स्पष्ट नहीं किया गया है, जबकि ऊंचे संस्करण में उन्नीस इंच के पहिए मिलते हैं। इसके अलावा चमकदार काले रंग के पहिया मेहराब, छत पर रेलिंग और पीछे की ओर दोनों रोशनियों को जोड़ने वाली प्रकाश पट्टी के साथ प्रकाशित कंपनी का प्रतीक चिन्ह भी देखने को मिलेगा। पिछले हिस्से का निचला स्वरूप भी ऊंचे संस्करण से अलग रखे जाने की संभावना है।वाहन के भीतर दो रंगों वाले आसनों का प्रयोग किया गया है, जो इसे अधिक आकर्षक बनाता है। इसके विपरीत ऊंचे संस्करण में पूरी तरह गहरे रंग का आंतरिक स्वरूप मिलता है। सामने स्वतंत्र रूप से स्थापित स्पर्श आधारित सूचना एवं मनोरंजन प्रणाली और चालक के लिए पूरी तरह डिजिटल प्रदर्शन पट्टिका दी गई है। इसके अलावा वातावरण के अनुरूप हल्की नीली रोशनी, धातु से बने पैडल और विशाल कांच की छत जैसे आधुनिक फीचर भी दिखाई देते हैं। हालांकि कंपनी ने अभी सभी सुविधाओं की जानकारी साझा नहीं की है। माना जा रहा है कि इस नए संस्करण में कुछ ऐसे फीचर नहीं दिए जाएंगे जो केवल ऊंचे संस्करण तक सीमित हैं।

## एआई और एग्री-स्टार्टअप्स बदल सकते हैं भारत की कृषि अर्थव्यवस्था, किसानों की आय बढ़ाने में निभाएंगे बड़ी भूमिका: डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक और विज्ञान पर आधारित एग्री-स्टार्टअप्स भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे खेती की उत्पादकता बढ़ेगी, किसानों की आय में सुधार होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी होगा। मंत्री कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी होगा। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। वर्ष 2015 में जहां देश में लगभग 350 पंजीकृत स्टार्टअप थे, वहीं आज उनकी संख्या बढ़कर 2.3 लाख से अधिक हो गई है। इसके साथ ही भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। हालांकि,



उन्होंने कहा कि अब स्टार्टअप क्रांति का अगला चरण कृषि क्षेत्र से जुड़ा होना चाहिए। कृषि में नवाचार के जरिए सीधे किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है और ग्रामीण युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर भी तैयार किए जा सकते हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह धारणा बदलने की जरूरत है कि स्टार्टअप केवल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र या बड़े शहरों तक सीमित हैं। उनके अनुसार, कृषि आज देश में उद्यमिता के सबसे बड़े अवसरों में से एक है।उन्होंने कहा कि कई बार औपचारिक शैक्षणिक योग्यता से अधिक महत्वपूर्ण व्यावहारिक ज्ञान, नवाचार की सोच और सीखने की इच्छा होती है। उन्होंने बताया कि सरकार के सहयोग, वैज्ञानिक संस्थानों और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की मदद से अब आधुनिक तकनीकें ग्रामीण क्षेत्रों तक भी तेजी से पहुंच रही हैं। कृषि में एआई की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब फसलों के पूर्वानुमान आधारित प्रबंधन, सटीक सिंचाई (प्रिसिजन इरिगेशन), मौसम-आधारित सलाह और कृषि संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बनता जा रहा है। उन्होंने अनुमान का हवाला देते हुए कहा कि केवल एआई-आधारित बेहतर प्रबंधन से ही प्रत्येक किसान हर साल करीब 5,000 रुपए तक की बचत कर सकता है, जिससे देश की कृषि अर्थव्यवस्था में लगभग 70,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त मूल्य जुड़ सकता है। मंत्री ने आगे कहा कि सैटेलाइट तकनीक, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली, ड्रोन-आधारित सर्वेक्षण, संसाधनों की मैपिंग और रियल-टाइम सलाह जैसी वैज्ञानिक प्रगति किसानों को बुआई, सिंचाई और फसल प्रबंधन से जुड़े बेहतर निर्णय लेने में मदद कर रही है।

## आईएमएफ ने 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.40 फीसदी किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.40 फीसदी कर दिया है। अप्रैल में उसने आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। आईएमएफ ने जारी अपनी ताजा विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अद्यतन संस्करण में कहा, ''भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक निजी खपत और सेवा क्षेत्र की मजबूत गतिविधियों के दम पर भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.40 फीसदी रहने का अनुमान है।'' हालांकि,आईएमएफ ने कहा कि वित्त वर्ष 2027-28 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.70 फीसदी की दर से बढ़ेगी। यह अप्रैल के 6.50 फीसदी के अनुमान से 0.20 फीसदी अधिक है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विश्व आर्थिक अध्ययन प्रभाग की प्रमुख डेनिज इगन ने कहा कि भारत के आर्थिक वृद्धि दर अनुमान में संशोधन के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा, 'एक ओर हालिया आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे हैं, जो कि अप्रैल तक के उच्च आवृत्ति वाले संकेतकों से समग्र आर्थिक गतिविधियों में मजबूती दिखाई दी है।' हालांकि, उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इन सकारात्मक संकेतों का असर ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि से काफी हद तक कम हो गया। इसके साथ ही कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर भारत में बढ़ते ईंधन कीमतों पर भी अधिक पड़ने की संभावना है।

## अनिल अंबानी ग्रुप से जुड़े बैंक घोटाला मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, छापेमारी में जब्त किए गए कई अहम सबूत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक घोटाला मामले की जांच के तहत मंगलवार को ई-कॉम्प्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके एक निदेशक के आवास पर छापेमारी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप रिलायंस अनिल अंबानी समूह के स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़े संदिग्ध लेनदेन और संपत्तियों से संबंधित अहम सबूत जब्त किए गए हैं। जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी सामने आई है। बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, अचल संपत्तियों से जुड़े रिकॉर्ड और बैंक घोटाले की जांच से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए हैं। अब तक की जांच में सामने आया है कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड



(आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) द्वारा जुटाए गए हजारों करोड़ रुपए के सार्वजनिक धन को रिलायंस अनिल अंबानी समूह के नियंत्रण और प्रबंधन वाली शेल तथा समूह की अन्य कंपनियों के नेटवर्क के जरिए सुनियोजित तरीके से दूसरी जगह भेजा गया। जांच एजेंसी के अनुसार, इन कंपनियों को सामान्य बैंकिंग नियमों का गंभीर उल्लंघन करते हुए पर्याप्त जांच-पड़ताल, उचित दस्तावेजी प्रक्रिया और ऋण चुकाने की क्षमता का आकलन किए बिना कॉरपोरेट लोन मंजूर किए गए। जिन कंपनियों को यह कर्ज मिला, वे आर्थिक रूप से कमजोर थीं, उनका वास्तविक कारोबारी संचालन नहीं था और उनके पास ऋण चुकाने की क्षमता भी बेहद सीमित थी। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि इन शेल कंपनियों के निदेशक रिलायंस अनिल अंबानी समूह के कर्मचारी या करीबी सहयोगी थे और वे समूह के वरिष्ठ प्रबंधन के निर्देशों पर काम कर रहे थे। जांच एजेंसी के मुताबिक, इन कंपनियों के बैंक खाते और लेखा-जोखा समूह की प्रमुख कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, रिलायंस पावर लिमिटेड और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा संचालित किए जाते , जिससे इन शेल कंपनियों पर समूह के प्रभावी नियंत्रण की पुष्टि होती है। ईडी ने इस मामले में 12 जून 2026 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशेष अदालत में अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) भी दाखिल की थी।

## कुसुमगर लिमिटेड का आईपीओ पहले दिन 3.45 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सिंथेटिक फैब्रिक बनाने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड के आईपीओ को बेहतर रिस्पॉन्स मिला है। इसमें बोली लगाने के पहले दिन बुधवार करे 3.45 गुना सब्सक्राइब किया गया है। इससे पता चलता है कि खुदरा और गैर-संस्थागत निवेशकों के बीच इस आईपीओ की जबरदस्त मांग है। स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक ऑफर किए गए 1,14,68,094 इक्विटी शेयरों के मुकाबले इस इश्यू के लिए 3,95,95,045 इक्विटी शेयरों की बोलियां मिलीं। इसमें खुदरा हिस्सा और गैर-संस्थागत हिस्सा को क्रमशः 3.52 गुना और 7.35 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) का हिस्सा 0.47 गुना सब्सक्राइब हुआ है, जबकि कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्से को 1.69 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। कुसुमगर लिमिटेड का यह इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 08 जुलाई को खुला, जो शुक्रवार, 10 जुलाई को बंद होगा। इश्यू के खुलने से एक दिन पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 193.9 करोड़ रुपये जुटाए थे। बीपी वेल्थ, ईसीआईसीआई डायरेक्ट, एसबीआई सिक्योरिटीज और एसएमआईएफएस जैसी प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने कुसुमगर लिमिटेड के इश्यू सब्सक्राइब करने की सलाह दी है।

सिंथेटिक फैब्रिक बनाने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ये आईपीओ 650 करोड़ रुपये का ऑफर फॉरसेल (ओएफएस) है। इसके शेयरों के अलॉटमेंट को 13 जुलाई तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर 15 जुलाई को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि 1990 में स्थापित ये कंपनी बुने हुए लेपित और लेमिनेटेड सिंथेटिक कपड़ों की निर्माता है, जिन्हें इंजीनियर्ड कपड़े कहा जाता है। कुसुमगर लिमिटेड कंपनी पॉलियामाइड्स और पॉलिएस्टर फिलामेंट्स और पॉलीयूरेथेन रसायन विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंजीनियर कपड़े और समाधान प्रदान करती है।

## फ्लिपकार्ट की फैशन कैटेगरी में सभी उत्पादों पर जीरो कमीशन, सेलर्स को मिलेगा सीधा फायदा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में से एक फ्लिपकार्ट ने अपनी शून्य-कमीशन नीति का विस्तार करते हुए इसमें फैशन श्रेणी के सभी उत्पादों को शामिल कर लिया है। कंपनी ने इस श्रेणी के लिए पहले से तय 1,000 रुपये की मूल्य सीमा को हटा दिया है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन इससे हर आकार के विक्रेताओं को बड़ा लाभ मिलेगा और उनके लिए बढ़त के नए अवसर खुलेंगे।

कंपनी के मुताबिक ग्राहकों के लिए इसका अर्थ है फैशन श्रेणियों में ज्यादा विकल्प, प्रीमियम उत्पादों की बेहतर उपलब्धता और अधिक मूल्य लाभ। जीरो कमीशन के साथ फैशन श्रेणी में लगभग 90 हजार लेन-देन करने वाले विक्रेता, जिनमें एमएसएमई और डी2सी ब्रांड शामिल हैं, अब अतिरिक्त मार्जिन अपने पास रख सकेंगे। इसके साथ ही विक्रेता डैशबोर्ड पर उपलब्ध एआई-समर्थित मांग से जुड़ी जानकारी, रुझान डेटा और केटेगरी प्रबंधन टूल की मदद से वे आत्मविश्वास के साथ अपनी उत्पाद श्रृंखला बढ़ा सकेंगे, अधिक व्यापक ग्राहक वर्ग तक पहुंच सकेंगे और लंबे समय तक ब्रांड निर्माण में निवेश कर सकेंगे। फ्लिपकार्ट फैशन के उपाध्यक्ष कपिल थिरानी ने कहा कि भारत का फैशन तंत्र तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव को आगे बढ़ाने में एमएसएमई, देशी ब्रांड और डी2सी कारोबार बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

## मेलबर्न में पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई कारोबारियों को दिया भारत में निवेश का न्योता, बोले-स्वच्छ ऊर्जा, एआई और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाएं

एजेंसी

**मेलबर्न।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती आर्थिक साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों को वैश्विक अनिश्चितता के बीच नेचुरल और भरोसेमंद साझेदार बताया। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बिजनेस से स्वच्छ ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शिक्षा जैसे क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस को मैन्युफैक्चरिंग, स्वच्छ ऊर्जा, एआई, डिजिटल इकोनॉमी वगैरह जैसे क्षेत्रों में भारत की ग्रोथ स्टोरी में साझेदार बनने के लिए निमंत्रण दिया। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम के दौरान आर्थिक रोडमैप बिजनेस रिसेप्शन में दोनों देशों के बिजनेस लीडर्स का स्वागत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी मौजूदगी भारत और ऑस्ट्रेलिया के साझे भरोसे और उम्मीदों को दिखाती है।

वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज दुनिया अनिश्चितता, सप्लाई चेन में रुकावट और ऊर्जा संकट के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए स्वाभाविक और भरोसेमंद साझेदार के तौर पर आगे बढ़ना स्वाभाविक और जरूरी दोनों है। पिछले कुछ सालों में हमने दोनों देशों की क्षमताओं को मिलाकर भविष्य के सहयोग के लिए एक मजबूत ढांचा बनाया है।' पीएम मोदी ने कहा कि 2022 में रिकॉर्ड समय में हुए भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) ने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को काफी मजबूत किया और दोनों देशों में व्यवसाय के नए मौके बनाए हैं।

उन्होंने कहा, 'इसके लागू होने के बाद से भारत से ऑस्ट्रेलिया को एक्सपोर्ट दोगुना हो गया है और दोनों देशों के बिजनेस को नए मार्केट एक्सेस से फायदा हुआ है। हालांकि हम यहीं नहीं रुके हैं। अब हम एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की ओर बढ़ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'इन कोशिशों से दोनों देशों की सरकारों ने एक नया रनवे तैयार किया है और निवेश और नवाचार का एयरक्राफ्ट अब उड़ान भरने के लिए तैयार है। आप सभी को इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।'

स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में मौकों पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि भारत हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स, ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर मॉड्यूल और विंड ऊर्जा उपकरण के लिए तेजी से एक मजबूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बना रहा है। फोरम में मौजूद क्लीन एनर्जी कंपनियों के प्रतिनिधि को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'हम भारत में हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर मॉड्यूल और विंडमिल्स के लिए एक मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बना रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट जीरो एमिशन तक पहुंचने के बड़े टारगेट तय किए हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय रिसोर्स और नेचुरल रिजर्व भारत के ऊर्जा ट्रांजिशन को तेज करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल के पॉलिसी रिफॉर्म्स का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ महीने पहले भारत ने परमाणु क्षेत्र को प्राइवेट कंपनियों के लिए खोल दिया। हमने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का टारगेट रखा है। ऑस्ट्रेलिया के बड़े यूरेनियम रिजर्व सीधे भारत के न्यूक्लियर सफर से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों को भारत के तेजी से बढ़ रहे इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में हिस्सा लेने के लिए भी निमंत्रण दिया और कहा कि पोर्ट, एयरपोर्ट, हाईवे, रेलवे और शहरी विकास प्रोजेक्ट्स में बहुत मौके हैं। उन्होंने कहा, 'भारत के पोर्ट, एयरपोर्ट, रोड, रेलवे और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में ऑस्ट्रेलियाई दीर्घकालिक निवेशकों के लिए बहुत ज्यादा अवसर हैं। आज भारत में नेशनल हाईवे लगभग 34 किलोमीटर प्रति दिन की रफ्तार से बढ़ रहे हैं। रोजाना 8 किलोमीटर से ज्यादा रेलवे ट्रैक बिछाए जा रहे हैं। यह स्केल, स्पीड और स्थिरता का मेल दिखाता है।' औद्योगिक सहयोग पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया पहले ही स्टील क्षेत्र में मजबूत साझेदार के तौर पर उभरे हैं और अब वे लो-कार्बन एल्युमीनियम, ग्रीन आयरन और क्लीन मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी जैसे एरिया में मिलकर काम कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने उभरती तकनीक में सहयोग की बड़ी गुंजाइश पर भी जोर दिया और बताया कि भारत सरकार ने एआई मिशन, क्वांटम मिशन और सेमीकंडक्टर प्रोग्राम के तहत पहलों के लिए 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है।

## चीन के गांसु में भूस्खलन से 21 लोगों की मौत; सात घायल, रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा

एजेंसी

**बीजिंग ।** उत्तर-पश्चिमी चीन के गांसु प्रांत में हुए भूस्खलन में 21 लोगों की मौत हो गई जबकि 7 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है। सभी घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई गई है। यह हादसा मंगलवार सुबह गांसु प्रांत के लोंगनान शहर के नान्हे टाउनशिप के रेनजांग गांव में हुआ। अचानक हुए भूस्खलन की चपेट में 33 लोग आ गए थे। इनमें से 5 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 21 लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। हादसे के तुरंत बाद आपदा राहत, दमकल और पुलिस सहित कई बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने स्थिति को देखते हुए लेवल-3 भू-आपदा रक्षा प्रतिक्रिया लागू कर दी। साथ ही एक स्पेशल वर्किंग ग्रुप भी मौके पर भेजा गया। बचाव अभियान में 345 राहतकर्मियों और 10 खोजी कुत्तों को लगाया गया। मौके पर जेसीबी और अन्य मशीनों से मलबा हटाया गया जबकि एंबुलेंस लगातार तैनात रहीं। बचाव दलों ने लोगों की तलाश, राहत और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का काम भी किया। गांसु प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि जिले में चार आपातकालीन मेडिकल टीमें भेजी गईं।

## कुवैत के क्राउन प्रिंस से मिले विदेश मंत्री एस. जयशंकर, द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने पर जोर

**कुवैत सिटी।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार सुबह कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल-खालिद अल-सबाह से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से क्राउन प्रिंस को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। एस जयशंकर के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दो तस्वीरों के साथ एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने भारत-कुवैत द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने की क्राउन प्रिंस की प्रतिबद्धता की सराहना की और खाड़ी क्षेत्र के हालिया घटनाक्रमों पर उनके विचार साझा करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर छह देशों की अहम यात्रा पर हैं। दौरे के तीसरे दिन बहरीन होते हुए वो कुवैत पहुंचे, जहां कुवैत के उप विदेश मंत्री हमद सुलेमान मशान अल-मशान ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने स्वागत के लिए उप विदेश मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह कुवैत में होने वाली अपनी विभिन्न बैठकों और कार्यक्रमों को लेकर उत्साहित हैं। विदेश मंत्री दस दिवसीय दौरे पर हैं। यात्रा के तीसरे दिन जयशंकर ने बहरीन के उप प्रधानमंत्री खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से मुलाकात की थी। मंगलवार सुबह हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों ने भारत और बहरीन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की थी।

## बांग्लादेश में बारिश से पहाड़ी दरकी, मदरसे पर गिरा मलबा, आठ की मौत

**ढाका।** दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में तेज बारिश के दौरान एक मदरसे पर दरकी पहाड़ी का मलबा गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें सात छात्राएं और एक शिक्षक शामिल हैं। यह भू-स्खलन बुधवार दोपहर उखिया में ए-3 ब्लाक स्थित रोहिंग्या कैंप-पांच में लड़कियों के हिफ्ज मदरसे में हुआ। हादसे में मदरसे की दीवार ढह गई। हादसे के वक्त करीब 40 बच्चियां कक्षा में मौजूद थीं। प्रोथोम अलो और ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, दमकल विभाग की टीम, आर्मड पुलिस बटालियन के जवानों, रोहिंग्या स्वयंसेवकों व अन्य ने बचाव अभियान चलाकर देरशाम मलबे से 13 लोगों को बाहर निकाला। इनमें से आठ को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि पांच अन्य को गंभीर अवस्था में अस्पतालों में ले जाया गया। शरणार्थी राहत और प्रत्यावर्तन आयुक्त मोहम्मद मिजानुर रहमान ने बताया कि चार पीढ़ियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और चार अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मारी गई बच्चियों में से दो एक ही परिवार की हैं। अतिरिक्त उप पुलिस महानिरीक्षक सिराज अमीन ने कहा कि मरने वालों में से चार की पहचान राशिदा बेगम (13), उम्मे नेजातुल (13),उम्मे सलमा (12) और उमाइसा बीबी (13) के रूप में हुई है। असरा बेगम (9), बेगम जान (15) और फरेसा बीबी (12) का इलाज कुतुपालोंग फ्रेंडशिप हॉस्पिटल में चल रहा है। 30 छात्राओं को बचा लिया गया है।

## महाकाली परियोजना का पानी नेपाल छोड़ने के लिए भारत से कूटनीतिक पहल करने की सत्तारूढ़ दल के सांसद की मांग

**काठमांडू।** नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद दीपक बोहोरा ने कहा है कि महाकाली सिंचाई परियोजना का पानी नेपाल और भारत दोनों देशों द्वारा उपयोग किए जाने की व्यवस्था होने के बावजूद भारत के साथ प्रभावी कूटनीतिक पहल नहीं होने के कारण नेपाल की ओर पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। सांसद बोहोरा ने आज एक बयान में सरकार से मांग की कि परियोजना का पानी नेपाल की ओर छोड़े जाने के लिए विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत के साथ कूटनीतिक पहल की जाए। उन्होंने कहा कि 48 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का लगभग 30 किलोमीटर निर्माण पूरा हो चुका है। परियोजना की नहर जहां समाप्त होती, उस क्षेत्र कृष्णपुर-9 के स्थानीय लोगों से यह नहीं पूछा गया कि वहां नहर की आवश्यकता है या नहीं।

## ऑस्ट्रेलियाई नेताओं ने पीएम मोदी के दौरे की सराहना की, भारत के साथ गहरी साझेदारी का किया समर्थन

एजेंसी

**मेलबर्न ।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और ऑस्ट्रेलिया के बड़े बिजनेस अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे से दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी और गहरी होगी। ऑस्ट्रेलिया-इंडिया सीईओ फोरम और आर्थिक रोडमैप बिजनेस इवेंट के मौके पर न्यूज एजेंसी बात करते हुए मॉरिसन ने कहा कि पीएम मोदी के साथ उनके कार्यकाल के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध पहले से कहीं ज्यादा बेहतर हुए हैं और मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई सरकार के तहत भी ये और मजबूत हुए हैं। मॉरिसन ने आईएएनएस से कहा, 'पीएम मोदी और मैंने अपनी-अपनी भूमिका में काम किया; हम ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंध को आज के स्तर तक ले जा पाए और मुझे बहुत खुशी है कि अल्बानियाई सरकार ने इसे बनाए रखा है। यह



संबंध और मजबूत होगा और मेलबर्न में उनका दौरा बहुत जरूरी है।' ऑस्ट्रेलिया की मिनरल्स काउंसिल की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर तानिया कॉन्स्टेबल ने भी पीएम मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के बीच करीबी संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज के बीच स्पष्ट तौर पर एक मजबूत संबंध है जो कुछ सालों से है। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि यह इस समय हो रहा है और हमारे देशों के बीच सबसे ऊपर के संबंध की यही मजबूती एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाएगी।' 'पॉपुलस के सीनियर प्रिंसिपल, ग्लोबल डायरेक्टर और को-फाउंडर पॉल हेनरी ने मेलबर्न इवेंट्स में पीएम मोदी के शामिल होने को भारत के आपसी संबंधों को बढ़ाने के कमिटमेंट का एक मजबूत संकेत बताया। हेनरी ने कहा, 'आज का समय कितना सफल रहा है और पीएम मोदी का प्रधानमंत्री अल्बनीज के साथ कार्यक्रम में शामिल होना जबरदस्त कमिटमेंट दिखाता है। मुझे लगता है कि यह ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है।' भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक गेम्स और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए अहमदाबाद की बोली के लिए पीएम मोदी का समर्थन देश के लंबे समय के विजन को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी का 2036 में होने वाले ओलंपिक्स और 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद का समर्थन करना बहुत एक्साइटिंग है, जो दिखाता है कि इस समय भारत में भविष्य को लेकर कैसी सोच है।

## सिंधु जल संधि से नहीं, खराब प्रबंधन और भूजल दोहन की वजह से जल संकट से जूझ रहा पाकिस्तानः रिपोर्ट

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में पानी का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। लाहौर और पंजाब प्रांत के कई अन्य इलाकों में पानी की कमी और गंभीर होती जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अपनी आंतरिक समस्याओं और जरूरत से ज्यादा भूजल निकालने जैसी वजहों पर ध्यान देने के बजाय इस्लामाबाद लगातार भारत को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। यूरेशियन टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की सिंचाई व्यवस्था दुनिया की सबसे खराब व्यवस्थाओं में से एक है। नहरों में रिसाव और पानी की बर्बादी के कारण बड़ी मात्रा में पानी बेकार चला जाता है। रिपोर्ट में इंटरनेशनल वाटर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (आईडब्ल्यूएमआई) के 2024-2026 के आकलनों का हवाला देते हुए बताया गया कि पाकिस्तान के कुल मीठे पानी का करीब 95 प्रतिशत हिस्सा खेती में इस्तेमाल होता है। वहीं, सिंचाई की खराब व्यवस्था और खेतों तक पानी पहुंचाने के पुराने तरीकों की वजह से लगभग 60 प्रतिशत सिंचाई का पानी बर्बाद हो जाता है।हाल ही में पाकिस्तान ने इस्लामाबाद के जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया, जिसका विषय था – 'सिंधु जल संधिः शांति और क्षेत्रीय स्थिरता का एक साधन।' यूरेशियन टाइम्स ने कहा कि इस सेमिनार का विषय इस तरह बनाया गया था ताकि सिंधु जल संधि के मुद्दे को एक बड़े क्षेत्रीय सुरक्षा संकट के रूप में पेश किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग की जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, यह उसी तरह की रणनीति है, जिसके तहत पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर मुद्दे को 'परमाणु खतरे वाले क्षेत्र' के रूप में पेश करके अपनाता रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान अक्सर सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को सीमा पार नदियों के सहयोग का एक सफल उदाहरण बताता है।

## तेहरान पर नए हमलों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप बोले-'पता नहीं ईरान समझौते का सम्मान करेगा या नहीं'

एजेंसी

**वॉशिंगटन ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के नए जवाबी हमलों के बाद ईरान बातचीत करना चाहता है। ट्रंप ने सवाल किया कि क्या तेहरान पर किसी भी समझौते का सम्मान करने के लिए भरोसा किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि वाशिंगटन ईरान को न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने पर ध्यान देते हुए जोरदार जवाब देना जारी रखेगा। ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा, 'हमने और भी जोर से जवाब दिया।' तुर्किए में नाटो समिट के बाद वाशिंगटन लौटते समय एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कमर्शियल जहाजों पर हमलों के बाद अमेरिका ने जवाब दिया था।ट्रंप ने कहा, 'हमने उन पर बहुत कड़ा जवाबी हमला किया। मैं कहता हूं कि अनुपात 20-1 का रहा। वे हर बार हम पर हमला करेंगे, तो हम 20 गुना ज्यादा ताकत से जवाब देंगे।' हमने बीती रात भी ऐसा ही किया। आज भी हमने कुछ कार्रवाई की, लेकिन वह मुख्य रूप से पिछली रात के जवाब में थी। उन्होंने



वास्तव में दो नहीं, बल्कि तीन जहाजों पर हमला किया था। जब उन्होंने हमला किया, तो हमने उससे कहीं अधिक जोरदार जवाब दिया।' 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वे डील मानेंगे या नहीं; यही समस्या है।' जब ट्रंप से पूछा गया कि यदि ईरान समझौता करना चाहता है, तो वह वाणिज्यिक जहाजों पर हमला क्यों करेगा, तो उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो यह सामान्य बात नहीं है। हालात इतने असामान्य हैं कि वे कुछ हद तक नियंत्रण से बाहर हो गए हैं, लेकिन वे समझौता करने के लिए बेताब हैं।' ट्रंप ने कहा कि यह पूरा टकराव ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, 'यह ईरान का डी-न्यूक्लियराइजेशन था, इसलिए, यह सब परमाणु हथियार लेने, ईरान को न्यूक्लियर हथियार न बनाने देने के बारे में है। और यह सबको पसंद आना चाहिए, आपको भी।' ट्रंप ने उन बातों को भी खारिज कर दिया कि तुर्किए छोड़ने से पहले आखिरी समय में एयरक्राफ्ट बदलना किसी खास सुरक्षा चिंता की वजह से हुआ था। उन्होंने कहा कि यह बदलाव इसलिए किया गया ताकि एयर बेस पर मौजूद लोग प्लेन देख सकें।

## डीआर कांगो में इबोला वायरस का कहर जारी, 600 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

एजेंसी

**किंशासा ।** लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इससे मरने वालों की संख्या 600 तक पहुंच गई है और 1,759 मामलों की पुष्टि हुई है। बुधवार देर रात जारी एक अपडेट में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अभी कुल 750 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल में भर्ती हैं और अस्पतालों में 94 प्रतिशत बेड भरे हुए हैं। बुंडीबुग्यो इबोला वायरस से होने वाला यह प्रकोप, जिसे 15 मई को घोषित किया गया था, देश का 17वां इबोला प्रकोप है। इससे तीन प्रांतों - इतुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु - के 37 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रकोप से निपटने में कई बाधाएं आ रही हैं, जिनमें पोस्टमार्टम के लिए सैंपल लेने का समुदाय द्वारा विरोध, इलाज की अपर्याप्त क्षमता, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में कमी, सीमित सप्लाई, असुरक्षा और हथियारबंद समूहों से प्रभावित इलाकों तक सीमित पहुंच शामिल हैं। डीआरसी ने मई के मध्य में इस प्रकोप की घोषणा की थी। स्वास्थ्य अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि असुरक्षा, लोगों की आवाजाही, स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव और अधूरी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के कारण स्थिति से निपटना मुश्किल हो रहा है। इबोला वायरस से होने वाली एक दुर्लभ, गंभीर और अक्सर जानलेवा बीमारी है। यह वायरस जंगली जानवरों (जैसे फ्रूट बैट) से इंसानों में फैलता है और संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों (बॉडी फ्लूइड्स) के सीधे संपर्क से फैलता है। इसमें अचानक फ्लू जैसे लक्षण और बुखार आता है। इससे शरीर के अंग काम करना बंद कर सकते हैं। मई 2018 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की पुष्टि हुई थी। इसमें शामिल इबोला की बुंडीबुग्यो प्रजाति के लिए कोई वैक्सीन या खास इलाज नहीं है, हालांकि संभावित वैक्सीन पर काम चल रहा है। यह प्रकोप एक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में हो रहा हैः मानवीय संकट, दुरस्थ और घनी आबादी वाला क्षेत्र, साथ ही असुरक्षा और भारी जनसंख्या एवं व्यापारिक आवागमन। इसके लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं। इनमें अचानक बुखार, थकान, मांसपेशियों में दर्द, तेज सिरदर्द, गले में खराश, उल्टी, दस्त, पेट दर्द और गंभीर मामलों में बिना किसी स्पष्ट कारण के ब्लीडिंग या शरीर पर निशान पड़ना शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।

## मध्यपूर्व संकट से कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव के बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : IMF

एजेंसी

**वॉशिंगटन ।** इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे टकराव की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक संस्था ने भारत की 2026 की ग्रोथ का अनुमान थोड़ा घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि अगले साल ऊर्जा से जुड़ी दिक्कतों के कम होने पर देश की ग्रोथ और तेज होगी। आईएमएफ ने अपने ताजा 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में 2026 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान अप्रैल के अनुमान से 0.1 प्रतिशत अंक घटा दिया, लेकिन 2027 के लिए अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया। आईएमएफ का कहना है कि उम्मीद से बेहतर आर्थिक गतिविधि और मजबूत घरेलू मांग देश के आउटलुक को सहारा दे रही है। आईएमएफ अधिकारियों ने अपनी ताजा 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक'



रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत ने कई दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ग्लोबल अनिश्चितता का बेहतर ढंग से सामना किया है, हालांकि मिडिल ईस्ट में चल रहे टकराव की वजह से ऊर्जा की बढ़ती कीमतें इस साल विकास दर पर असर डालेंगी। आईएमएफ रिसर्च विभाग की प्रमुख डेनिज इगन ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों को बताया, 'भारत के लिए, हमने इस साल के अनुमान को बहुत मामूली रूप से 0.1 प्रतिशत अंक घटाकर 6.4 कर दिया है। और अगले साल, यानी 2027 के लिए विकास दर के अनुमान को 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया है।' इगन ने कहा, 'अच्छी बात यह है कि हाल के डेटा में नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं। साथ ही, अप्रैल तक के हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर भी दिखाते हैं कि कुल मिलाकर आर्थिक गतिविधियों में काफी मजबूती बनी हुई है।' हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने इस सकारात्मक गति के असर को कम कर दिया है। हालांकि,आईएमएफ को उम्मीद है कि अगले साल ये दबाव कम हो जाएंगे। इगन ने कहा, '2027 की ओर बढ़ते हुए, हमें उम्मीद है कि भारत की ग्रोथ और मजबूत होगी क्योंकि एनर्जी शॉक का असर कम हो जाएगा और मीडियम-टर्म ग्रोथ लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।' भारत के लिए यह नया अनुमान तब आया है जब आईएमएफ ने 2026 के लिए ग्लोबल ग्रोथ का अनुमान 3 प्रतिशत और 2027 के लिए 3.4 प्रतिशत पर लगभग वैसा ही बनाए रखा है। आईएमएफ का कहना है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था ने अब तक मिडिल ईस्ट के संघर्ष का सामना शुरुआती आशंकाओं से बेहतर तरीके से किया है। इसके अतिरिक्त, आईएमएफ ने 2026 के लिए ग्लोबल हेडलाइन महंगाई का अनुमान भी बढ़ाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। उसका कहना है कि 2024 की शुरुआत से चल रहा महंगाई कम होने का ट्रेंड रुक गया है।

## ईरान के खिलाफ कार्रवाई में समर्थन न मिलने से ट्रंप नाराज, नाटो ने किया बचाव

एजेंसी

**अंकारा।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बड़े नाटो सहयोगी देशों पर आरोप लगाया कि उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिका की सैन्य कार्रवाई में उसका साथ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह देखकर उन्हें निराशा हुई, खासकर तब जब अमेरिका ने कई दशकों से यूरोप की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाई है। अंकारा में नाटो नेताओं की बैठक से पहले नाटो महासचिव मार्क रूटे के साथ बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समर्थन मांगा तो नाटो इस महत्वपूर्ण परीक्षा में खरा नहीं उतरा। ट्रंप ने ईरान को 'आतंकवाद का सबसे बड़ा समर्थक देश' बताया। ट्रंप ने कहा कि मैं नाटो से खुश नहीं हूं, क्योंकि जब हमें आतंकवाद के सबसे बड़े समर्थक देश ईरान के खिलाफ मदद चाहिए थी, तो उन्होंने हमारी मदद नहीं की। वे हमारी मदद करने के लिए तैयार नहीं थे। अमेरिका को वास्तव में सैन्य मदद की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने जानबूझकर यह देखना चाहा कि उनके सहयोगी देश किस तरह प्रतिक्रिया देते हैं। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने खुद कई यूरोपीय नेताओं से बात की थी। उन्होंने कहा कि मैंने जर्मनी से बात की, फ्रांस से बात की, ब्रिटेन से बात की और इटली से भी बात की। मैंने स्पेन से बात नहीं की। स्पेन तो एक बेकार मामला है। ट्रंप ने कहा कि इसी तरह मैंने जर्मनी से बात की, उन्होंने मदद नहीं करनी चाही। फ्रांस से बात की, उन्होंने भी मदद नहीं की। कोई भी मदद के लिए तैयार नहीं था। केवल नाटो के कुछ छोटे देशों ने समर्थन देने की इच्छा दिखाई। हालांकि, नाटो महासचिव मार्क रूटे ने गठबंधन का बचाव करते हुए कहा कि यूरोपीय सहयोगियों ने अमेरिका के अभियान में काफी महत्वपूर्ण मदद दी थी। रूटे ने कहा कि 'एपिक फ्यूरी' अभियान के समर्थन में यूरोपीय हवाई अड्डों से 5,000 विमान उड़ान भर चुके थे।

## 'पहले से अधिक जोरदार पलटवार करेंगे': होर्मुज हमलों को लेकर जेडी वेंस ने ईरान को दी चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आरोप लगाया है कि ईरान ने कमर्शियल जहाजों पर हमले फिर से शुरू करके अमेरिका के साथ हालिया समझौते का उल्लंघन किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट से समुद्री यातायात में बाधा डालने की कोई भी और कोशिश अमेरिका की ओर से और भी कड़े सैन्य जवाब को न्योता देगी। जेडी वेंस ने विस्कॉन्सिन के मिलवॉकी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन हाल की दुश्मनी के बाद तेहरान के साथ एक समझौते पर पहुंच गया था, लेकिन ईरान ने उसका पालन नहीं किया। वेंस ने कहा, 'हमने ईरानियों के साथ एक समझौता किया था। यह समझौता उस समय हुआ जब अमेरिका अधिकतम दबाव और अधिकतम ताकत की स्थिति में था।' वेंस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना की प्रशंसा



करते हुए कहा कि उनकी वजह से ईरान की सैन्य क्षमता काफी कमजोर हो गई। उन्होंने कहा, 'हमारी शानदार अमेरिकी सेना और राष्ट्रपति की कोशिशों की वजह से हम इस स्थिति में अधिकतम ताकत के साथ पहुंचे। ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया, उसकी पारंपरिक सैन्य क्षमता भी खत्म हो गई। अब ईरान के कुछ लोग कह रहे हैं कि वे अमेरिका के साथ अपने संबंध बदलना चाहते हैं और नई शुरुआत करना चाहते हैं।' उपराष्ट्रपति के अनुसार, दोनों देशों के बीच हुए समझौते का मुख्य आधार होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना था, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। उन्होंने कहा, 'हमारी बुनियादी शर्त यह थी कि अगर आप जहाजों पर गोलीबारी बंद करेंगे तो हम अपनी नाकाबंदी हटाएंगे। लेकिन अगर आप जहाजों पर हमला करेंगे, तो हम पहले से भी अधिक ताकत से जवाब देंगे।' वेंस ने दावा किया कि ईरान ने शुरू में इस समझौते का पालन किया था। उपराष्ट्रपति बोले, 'उन्होंने (ईरान) कहा था कि वे जहाजों पर गोली चलाना बंद कर देंगे। 24 घंटे पहले उन्होंने फिर से जहाजों पर गोली चलाना शुरू कर दिया। लगभग एक सप्ताह तक उनका बर्ताव अच्छा था, लेकिन फिर उन्होंने जहाजों पर गोली चलाना शुरू कर दिया।' जेडी वेंस ने चेतावनी दी कि अगर हमले जारी रहे तो अमेरिका सैन्य तरीके से जवाब देना जारी रखेगा। वेंस ने कहा, 'समझौता बहुत सीधा है। अगर वे जहाजों पर हमला करेंगे, तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

## अमेरिका ने ईरान पर फिर की एयरस्ट्राइक : बुशहर-चाबहार समेत कई सैन्य ठिकाने निशाने पर

एजेंसी

**वॉशिंगटन डीसी/तेहरान।** अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका ने बुधवार देर रात ईरान पर एक बार फिर बड़ी एयरस्ट्राइक की है। इस नए हमले में बुशहर, चाबहार, बंदर अब्बास, सीरिक और कोनारक समेत ईरान के कई प्रमुख शहरों में स्थित सैन्य और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। बुशहर और ईरान के पोर्ट्स पर हुए इन हमलों के बाद वहां भारी आग और धुएं का गुबार देखा गया, साथ ही कई जहाजों के जलने के वीडियो भी सामने आए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENT-COM) ने इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है।हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बेहद सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहाः 'वे हर बार हम पर हमला करेंगे तो हम 20 गुना जवाब देंगे।' राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान इस समय समझौता तो



चाहता है, लेकिन अमेरिका को इस बात पर बिल्कुल भरोसा नहीं है कि तेहरान उस समझौते का पालन करेगा। ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों पर बमबारीः अमेरिकी सेना ने मंगलवार देर रात ईरान के 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिका के अनुसार, यह कार्रवाई होर्मुज में ईरान द्वारा जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में की गई है। ईरान के साथ सीजफायर खत्मः राष्ट्रपति ट्रम्प ने NATO समिट के दौरान स्पष्ट कर दिया कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता (Mo) अब पूरी तरह खत्म हो चुका है और अब वे ईरान से कोई नई डील नहीं करना चाहते। बहरीन और कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ईरानी पलटवारः ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने बहरीन और कुवैत में स्थित 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को मिसाइलों और ड्रोनों से निशाना बनाया है, जिसमें अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट का मुख्यालय भी शामिल है।

## नए हमलों की धमकी के बाद ईरान ने ट्रंप को बताया 'हत्यारा अपराधी'

एजेंसी

**तेहरान।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर दोबारा सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने ट्रंप को हत्यारा अपराधी बताते हुए कहा कि उन्हें केवल ताकत की भाषा ही समझ आती है।नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ समझौता (एमओयू) अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका ईरान पर एक और बड़े सैन्य हमले की तैयारी कर सकता है। ट्रंप ने कहा, हमने कल रात उन्हें जोरदार तरीके से निशाना बनाया और जरूरत पड़ी तो आज रात भी हमला कर सकते हैं। ट्रंप के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए गरीबाबादी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह बयान अमेरिका की ताकत नहीं, बल्कि उसकी वर्षों पुरानी दबाव, प्रतिबंध और धमकियों की नीति की विफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा, अपराधी और हत्यारे ट्रंप से उसी भाषा में बात की जानी चाहिए, जिसे वह समझते हैं और वह भाषा है ताकत की। वहीं, ट्रंप की ओर से ईरान के अहम तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर हमला करने की चेतावनी के बाद ईरान के पूर्व विदेश मंत्री अली अकबर वेलायती ने कहा कि ईरान पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर क्षेत्र से अपने दुश्मनों का सफाया करने के लिए कार्रवाई करेगा।

## भारत के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगेः ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज

एजेंसी

**मेलबर्न ।** ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को कहा कि वे भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए बिजनेस लीडर्स और विश्वविद्यालयों के साथ काम करते रहेंगे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद पीएम अल्बनीज ने सेल्फी साझा कर कहा कि साथ मिलकर, हम अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ा रहे हैं और ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय बिजनेस को समर्थन कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'हमारे लोगों के बीच के संबंधों ने हमारी कई बिजनेस सक्सेस स्टोरीज को आगे बढ़ाया है। हम भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए बिजनेस लीडर्स और विश्वविद्यालयों के साथ काम करते रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'यहां घर पर नौकरियां बनाना और आगे आने वाले व्यापार और निवेश के मौकों का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना।' इस बीच, पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से भी मुलाकात की और भारत-ऑस्ट्रेलिया दोस्ती पर अच्छी बातचीत की। मुलाकात के बाद पूर्व पीएम स्कॉट ने एक्स पर सेल्फी साझा कर लिखा, 'आज मेलबर्न में मित्रों को न्योते के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद। हम सब मिलकर ऑस्ट्रेलिया-भारत के संबंध को अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर ले जा पाए। मैं उनके आने के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। और हां, उन्होंने पूछा कि मेरी इंडियन कुकिंग कैसी चल रही है।' भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, विक्टोरिया की गवर्नर, प्रोफेसर मार्गरेट गार्डनर एसी, ने विक्टोरिया के गवर्नमेंट हाउस में पीएम मोदी का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने भारत और विक्टोरिया के बीच बढ़ते शैक्षणिक



लिंकेज पर चर्चा की, जिसमें एकेडमिक सहयोग, रिसर्च साझेदारी और स्टूडेंट मोबिलिटी शामिल है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच लोगों के बीच मजबूत संबंध भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी का एक अहम हिस्सा हैं। इससे पहले, पीएम मोदी ने गुरुवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती आर्थिक साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों को वैश्विक अनिश्चितता के बीच नेचुरल और भरोसेमंद साझेदार बताया। साथ ही, उन्होंने दोनों देशों के बिजनेस से स्वच्छ ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस को मैन्युफैक्चरिंग, स्वच्छ ऊर्जा, एआई, डिजिटल इकॉनमी वगैरह जैसे क्षेत्रों में भारत की ग्रोथ स्टोरी में साझेदार बनने के लिए निमंत्रण दिया। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम के दौरान आर्थिक रोडमैप बिजनेस रिसेप्शन में दोनों देशों के बिजनेस लीडर्स का स्वागत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी मौजूदगी भारत और ऑस्ट्रेलिया के साझे भरोसे और उम्मीदों को दिखाती है। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज दुनिया अनिश्चितता, सप्लाई चेन में रुकावट और ऊर्जा संकट के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए स्वाभाविक और भरोसेमंद साझेदार के तौर पर आगे बढ़ना स्वाभाविक और जरूरी दोनों है। पिछले कुछ सालों में हमने दोनों देशों की क्षमताओं को मिलाकर भविष्य के सहयोग के लिए एक मजबूत ढांचा बनाया है।'

page 1 and 8 July 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/10/2026 12:40 AM Page 2



# वर्ल्ड प्रीमियर में दिखी नई निसान TEKTON की झलक- सबसे अलग पहचान के साथ नया रास्ता बनाने आ रही है नई एसयूवी

**मुंबई, 9 जुलाई।** निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज भारत में आयोजित वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान नई निसान TEKTON को लॉन्च किया। यह लॉन्चिंग कंपनी के उत्पाद विस्तार अभियान (प्रोडक्ट ऑफेंसिव) का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रीमियम सी-एसयूवी सेगमेंट की यह पहली ऐसी एसयूवी है, जिसमें सभी वेरिएंट्स में 100 प्रतिशत टर्बोचार्ज्ड इंजन लाइन-अप दिया गया है। इसके साथ ही इसमें सेगमेंट के कई बेस्ट फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें 280 Nm का टर्बो परफॉर्मेंस, गूगल बिल्ट-इन कनेक्टिविटी और 700 लीटर का क्लास-लीडिंग बूट स्पेस शामिल हैं।

TEKTON के साथ निसान अपने एसयूवी डीएनए को भारतीय बाजार के सबसे प्रतिस्पर्धी और तेजी से बढ़ते सेगमेंट में नए रूप में पेश कर रही है। चेन्नई स्थित प्लांट में निर्मित यह एसयूवी कंपनी की वन कार, वन वर्ल्ड फिलॉसफी के तहत विकसित की गई है। इसे भारत के ग्राहकों के साथ-साथ दुनिया के कई अन्य देशों में भी निर्यात किया जाएगा, जिससे निसान की ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग एवं प्रोडक्ट स्ट्रेटजी में भारत की बढ़ती भूमिका और मजबूत होगी।

वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान निसान के चीफ परफॉर्मेंस ऑफिसर गुइलॉम कार्टियर ने कहा, हम भारत में निसान को पहले से अधिक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।

हम अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को मजबूत कर रहे हैं और बाजार पर अपना फोकस बढ़ा रहे हैं। नई निसान TEKTON का वर्ल्ड प्रीमियर हमारे उस संकल्प को दिखाता है, जिसमें ग्लोबल प्रोडक्ट स्ट्रेंथ को स्थानीय ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप पेश किया जा रहा है। TEKTON इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि निसान किस तरह सार्थक बदलाव के साथ भविष्य के लिए तैयार और अधिक प्रतिस्पर्धी उत्पादों की दिशा में आगे बढ़ रही है। निसान के एएमआईईओ रीजन के चेयरपर्सन मैसिमिलानो मेसिना ने कहा, भारत वर्तमान समय में विभिन्न बाजारों और क्षेत्रों में निसान की विकास यात्रा को नई गति दे रहा है। TEKTON हमारी 'वन कार, वन वर्ल्ड' फिलॉसफी का मजबूत उदाहरण है। यह एक ग्लोबल प्रोडक्ट है, जिसकी इंजीनियरिंग भारत में की गई है, भारतीय ग्राहकों के लिए इसका निर्माण यहीं हुआ है और इसे कई निर्यात बाजारों के लिए भी विकसित किया गया है। इससे एक ग्रोथ इंजन और एसयूवी प्रोडक्शन हब के रूप में निसान के लिए भारत की भूमिका और मजबूत हुई है।

नई TEKTON केवल एक नई C-SUV नहीं है, बल्कि भारत में निसान की नई शुरुआत का प्रतीक भी है। इसे इस उद्देश्य से तैयार किया गया है कि ग्राहकों के बीच ब्रांड की स्वीकार्यता बढ़े, निसान की एसयूवी पहचान मजबूत हो तथा ग्राहकों को पहले से अधिक प्रीमियम, फीचर-रिच और आधुनिक तकनीक से लैस ड्राइविंग का अनुभव मिल सके।

# मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को अयोध्या को देंगे 432 की परियोजनाओं की सौगात

## -269 करोड़ रुपये की 131 परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस दौरे को बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास का मील का पत्थर माना जा रहा है। कुल 432 करोड़ 70 लाख 9 हजार रुपये की परियोजनाओं में 269 करोड़ 39 लाख 22 हजार रुपये की 131 परियोजनाओं का शिलान्यास होगा, जबकि 163 करोड़ 30 लाख 87 हजार रुपये की 86 परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा।**

**अयोध्या, 09 जुलाई ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या दौरे पर रहेंगे। वह जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर विकासखंड सोहावल मुख्यालय सुबह 10:40 बजे पहुंचेंगे। इस दौरान वह बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमित सिंह चौहान के पिता स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान की मूर्ति का अनावरण करेंगे। साथ ही क्षेत्र में विकास को नई गति देने वाली 432 करोड़ 70 लाख 9 हजार रुपये की कुल 217 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसके बाद दोपहर 12 बजे बस्ती के लिए रवाना होंगे। यह जानकारी गुरुवार को सूचना विभाग ने दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस दौरे को बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास का मील का पत्थर माना जा रहा है। कुल 432 करोड़ 70 लाख 9 हजार रुपये की परियोजनाओं में 269 करोड़ 39 लाख 22 हजार रुपये की 131 परियोजनाओं का शिलान्यास होगा, जबकि 163 करोड़ 30 लाख 87 हजार रुपये की 86 परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। इन परियोजनाओं में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पशुपालन, कौशल विकास और ग्रामीण आधारभूत संरचना से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। शिलान्यास की जाने वाली प्रमुख परियोजनाओ में वृहद गो संरक्षण केंद्र (मऊ, तहसील बीकापुर) का निर्माण कार्य, नगर पंचायत बीकापुर की पेयजल एवं गृह संयोजन योजना, नगर पंचायत सुचितागंज (खिरौनी) पेयजल एवं गृह संयोजन योजना शामिल हैं। इसके अलावा एकीकृत विकास योजना के तहत विकास खंड सोहावल के ग्राम सुरवारी में सामुदायिक केंद्र भवन का निर्माण, कम्पोजिट विद्यालय अर्थर (सोहावल) का उच्चीकरण एवं आधुनिकीकरण, विकास खंड तारून के ग्राम रामपुर प्रताप में सामुदायिक केंद्र भवन का निर्माण भी शामिल है। राजकीय महिला पॉलिटेक्निक अयोध्या और राजकीय पॉलिटेक्निक अयोध्या में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापना से संबंधित आवश्यक निर्माण कार्य भी शिलान्यास की सूची में हैं। इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं को कौशल विकास के बेहतर अवसर मिलेंगे और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा।

यह परियोजनाएं होंगी लोकार्पितलोकार्पण की 86 परियोजनाओं में सड़क निर्माण, पुल-पुलिया, जल निकासी, बिजली व्यवस्था, स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन और ग्रामीण विकास से जुड़े अनेक कार्य शामिल हैं। बता दें कि बीकापुर में जनपदीय ड्राइवर हाउस का निर्माण कार्य, राजकीय महाविद्यालय का निर्माण कार्य, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय बरवा, मसौधा में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य, अयोध्या-सुल्तानपुर मार्ग पर गेट कॉम्प्लेक्स (टीएफसीसी) के निर्माण कार्य, नगर पंचायत खिरौनी सूचितगंज सोहावल का पर्यटन विकास कार्य, विकास खण्ड मसौधा के ग्राम अवानपुर सरोहा में ग्रामीण पर्यटन थीमेटिक गेट एवं पर्यटन सुविधा केन्द्र का निर्माण कार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोहावल में आधुनिक कार्यशाला, प्रशिक्षण केन्द्र, इत्यादि का निर्माण कार्य,

जनपद अयोध्या में रा0मा0-28 किमी-93 मी0 किनारे स्थित पुराने डाक बंगले परिसर में 20 सूट कक्ष के निरीक्षण गृह एवं 60 से 70 व्यक्तियों हेतु मीटिंग हॉल का निर्माण आदि कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है। यातायात प्रबंधन के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम की सफलता के लिए जुटे हुए हैं। यह दौरा न केवल बीकापुर क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगा, बल्कि अयोध्या को समग्र रूप से विकसित करने की योगी सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराएगा।

# स्थानीय समाचार

## आठवें दिन भी हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

**जम्मू, 09 जुलाई (हि.स.)।** श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान जम्मू रेलवे स्टेशन पर अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति द्वारा लगाया गया निःशुल्क भंडारा लगातार आठवें दिन भी जारी रहा। 2 जुलाई से शुरू हुए इस सेवा शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सात्विक एवं पौष्टिक भोजन की व्यवस्था की जा रही है। समिति के अनुसार यह अमरनाथ यात्रियों के लिए आयोजित किया

जा रहा उसका दसवां भंडारा है जहां भोजन के साथ यात्रियों को यात्रा से जुड़ी आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

हर दिन की तरह बुधवार को भी वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठान के बाद भंडारे का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बनारस के चंदन जी महाराज की मौजूदगी में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

## जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में आपत्तिजनक पुस्तकों के प्रसार की रणविजय सिंह ने की कड़ी निंदा

**जम्मू, 8 जुलाई।** डोगरा शाही परिवार के वंशज रणविजय सिंह ने आज सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में कथित रूप से अलगाववादियों और पत्थरबाजी का महिमामंडन करने वाली दो पुस्तकों के प्रसार की कड़ी निंदा करते हुए इसे गंभीर चूक बताया, जिस पर तत्काल और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। स्कूल पुस्तकालयों तक इन पुस्तकों के पहुंचने की खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए रणविजय सिंह ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मूल्यों का विकास करना होना चाहिए, न कि ऐसे साहित्य को स्थान देना जो युवा पीढ़ी को गुमराह करे या उन पर नकारात्मक प्रभाव डाले।

# पंजाब में सतीश शर्मा की पहल से मटन कारोबारियों की समस्याओं के समाधान की दिशा में बड़ी प्रगति

**चंडीगढ़, 9 जुलाई।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने आज पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कर मटन कारोबारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की।

मंत्री ने पंजाब के पशुपालन एवं भेड़ पालन मंत्री, मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के सचिव के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठकों का मुख्य उद्देश्य मटन कारोबारियों को आ रही समस्याओं का व्यावहारिक और शीघ्र समाधान निकालना था, जिससे पशुधन के आवागमन में आ रही बाधाएं दूर हो सकें और

व्यापारियों को राहत मिल सके।

लंबी चर्चा के दौरान सतीश शर्मा ने मटन कारोबारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब सरकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पशुधन के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित किया जाना चाहिए, साथ ही सभी नियामकीय प्रावधानों का पालन भी किया जाए।

मंत्री के हस्तक्षेप पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए पंजाब सरकार ने संबंधित विभागों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए। इन निर्णयों से मटन कारोबारियों की समस्याओं में काफी राहत मिलने और पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है।

बैठकों के परिणाम पर संतोष व्यक्त करते हुए सतीश शर्मा ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा करना और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की सकारात्मक प्रतिक्रिया सहकारी संघवाद और अंतरराज्यीय सहयोग की भावना को दर्शाती है।

बैठकों में पशुपालन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने पशुधन प्रबंधन, पशु रोग नियंत्रण, वैज्ञानिक प्रजनन प्रणाली तथा पशु चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आपसी सहयोग और अनुभव साझा करने पर सहमति व्यक्त की।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग बैठक में मंत्री ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल प्रशासन तथा अनुसंधान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं की भी समीक्षा की।

## जम्मू कश्मीर लंबे समय तक चलने वाली सस्टेनेबल टूरिज़्म रणनीति पर काम कर रहा है: सज्जाद

**श्रीनगर, 09 जुलाई।** कश्मीर के टूरिज़्म डायरेक्टर सैयद कमर सज्जाद ने बुधवार को कहा कि सरकार ने इलाके के नाजुक प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करते हुए सस्टेनेबल टूरिज़्म डेवलपमेंट के लिए एक लंबी अवधि की रणनीति बनाने के मकसद से टूरिज़्म से जुड़े लोगों के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

एसकेआईसीसी में एक दिन के टूरिज़्म कॉन्क्लेव के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए सज्जाद ने बताया कि यह कार्यक्रम एक व्यापक रोडमैप की शुरुआत है जिसे टूरिज़्म ट्रेड बॉडीज़ और जम्मू-कश्मीर भर में टूरिस्ट डेस्टिनेशन का प्रबंधन करने वाले अधिकारियों के सहयोग से तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित फ्रेमवर्क पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए टूरिज़्म को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा और इस बात पर ज़ोर दिया कि कश्मीर के प्राकृतिक संसाधन ही पर्यटकों के लिए इलाके का सबसे बड़ा आकर्षण बने हुए हैं। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए सज्जाद ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एक वैश्विक घटना है और जम्मू-कश्मीर को लगातार पर्यावरण-अनुकूल पहलों के माध्यम से अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वन, टूरिज़्म और शिक्षा विभाग पेड़ लगाने के अभियानों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसका मकसद काटे गए हर पेड़ के बदले कई पेड़ लगाना है ताकि पर्यावरण की रक्षा की जा सके और ग्लोबल वार्मिंग के असर को कम किया जा सके। पर्यटकों के आगमन पर सज्जाद ने कहा कि इस साल जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों में लगभग 95 प्रतिशत घरेलू पर्यटक थे। उन्होंने कहा कि हालांकि मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी आई थी लेकिन अब संख्या में सुधार के संकेत दिख रहे हैं।

# योगी सरकार की बागवानी योजना से किसानों की बढ़ रही आय, आधुनिक खेती को मिल रहा बढ़ावा

**पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस और शेडनेट हाउस में फूल व सब्जी उत्पादन पर 50 प्रतिशत तक अनुदान**

**- छोटे किसानों के लिए विशेष पहल, अनुसूचित जाति-जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में 75 प्रतिशत तक अनुदान**

**लखनऊ, 09 जुलाई ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और पारंपरिक खेती के साथ बागवानी को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने, फल-फूल एवं सब्जियों की उन्नत खेती करने और फसल के बेहतर प्रबंधन के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार की इस योजना से प्रदेश में बागवानी का रकबा बढ़ने के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत संरक्षित खेती (पॉली हाउस, शेडनेट हाउस) में फूल और सब्जी उत्पादन पर 50 प्रतिशत तक का अनुदान है। बाकी सब में 40 प्रतिशत अनुदान है। इसी तरह कोल्ड स्टोरेज में 35 प्रतिशत तक की छूट है। ऑर्गेनिक खेती में 40 से 50 प्रतिशत तक छूट है।हाईटेक नर्सरी की स्थापना पर 40 प्रतिशत तक अनुदान योजना के अंतर्गत पौध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए छोटी पौधशालाओं की स्थापना एवं पहले से स्थापित पौधशालाओं के एक्रीडिटेशन पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। बड़ी पौधशालाओं, टिश्यू कल्चर लैब तथा हाईटेक नर्सरी की स्थापना पर 40 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान किया गया है, जिससे गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार कर किसानों तक पहुंचाई जा सके। फल एवं सब्जी उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए केला, आम, करौंदा, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी जैसी एक्जॉटिक फसलों के नए बाग लगाने पर 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इसके साथ ही संकर शाकभाजी, गेंदा एवं ग्लैडियोलस जैसे पुष्पों की खेती तथा प्याज, लहसुन और धनिया जैसी मसाला फसलों के उत्पादन को भी सरकारी सहायता मिल रही है। पुराने बागों के जीर्णोद्धार पर 40 से 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी योगी सरकार जैविक एवं तकनीक आधारित खेती को भी बढ़ावा दे रही है। योजना के तहत समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम), ट्रैक्टर, पावर टिलर, नैपसेक स्प्रेयर, इको-फ्रेंडली नाइट ट्रैप, मधुमक्खी पालन, हनी बी कॉलोनी, बी-हाइव, मधुमक्खी पालन उपकरण, फूट एवं बंच कवर तथा पुराने बागों के जीर्णोद्धार पर 40 से 50 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है।

# अमित शाह ने नई दिल्ली में सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 को संबोधित किया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय और श्री बंडी संजय कुमार, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और सीमांत राज्यों के पुलिस महानिदेशकों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इस सम्मेलन से समग्र सीमा सुरक्षा के दृष्टिकोण को संस्थागत रूप मिला है और आने वाले समय में तटीय सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी हम समग्रता से आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में सीमाओं की सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा, निराकरण की चिंता और इस दिशा में उपयुक्त उपायों को नीतिगत स्वरूप देने का काम होगा। श्री अमित शाह ने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर की कल्पना पर आधारित भारत की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था आने वाले समय में विश्व में सबसे आधुनिक होगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, संबद्ध सीमा रक्षक बल, राज्य एवं ज़िला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित हितधारक तथा स्थानीय नागरिकों के परस्पर जुड़ाव के साथ एक मज़बूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। श्री शाह ने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमांत और सजग समाज के साथ ही देश सुरक्षित हो सकता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को जम्मू कश्मीर और नॉर्थईस्ट में आतंकवाद और नक्सलवाद से निजात मिली है जो हमारी साझी सफलता का सूचक है। उन्होंने कहा कि आने वाले 3 सालों में हम नारकोटिक्स की समस्या को गंभीर क्षति पहुंचाकर इस पर भी विजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और घुसपैठ हो ही न सके, इसके लिए एक मज़बूत तंत्र का निर्माण कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी और समाधान अस्थायी थे, मोदी सरकार में समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर समाधानों को स्थायी बनाया जा रहा है

। श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत वृद्धि कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ इसे आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत देश के अंतिम गांव को देश का प्रथम गांव कहा है, इसके तहत पलायन रोकने, रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

# लखनपुर कॉरिडोर में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों यात्री कर रहे प्रस्थान -प्रशासन के पुख्ता इंतजाम

**कठुआ, 09 जुलाई (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर स्थित बाबा अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर में श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। जिला प्रशासन द्वारा लखनपुर कॉरिडोर में श्रद्धालुओं के लिए व्यापक और बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

लखनपुर कॉरिडोर केंद्र पर श्रद्धालुओं के लिए आरएफआईडी और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें आगे की यात्रा के लिए रवाना किया जाता है। इस दौरान यात्रियों के ठहराव के लिए विश्रामगृह, कूलर, पंखे, लंगर, शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन के इन प्रबंधों की सराहना करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। आधार शिविर में श्रद्धालु बाबा बर्फानी के भजन-कीर्तन में लीन नजर आ रहे हैं जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। यात्रियों के लिए शिविर में बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई गई है जिस पर

बाबा अमरनाथ और जम्मू-कश्मीर के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दृश्य दिखाए जा रहे हैं।

लखनपुर कॉरिडोर में दो लंगर संचालित किए जा रहे हैं जहां प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के व्यंजन श्रद्धालुओं को परोसे जा रहे हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच श्रद्धालुओं को जम्मू की ओर भेजा जा रहा है। पूरे क्षेत्र में सुरक्षाकर्मी तैनात हैं और वालंटियर भी यात्रियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। श्रद्धालुओं के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरा लखनपुर बम-बम भोले के जयकारों से गूंज रहा है। पिछले नौ दिनों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु लखनपुर से होकर आगे की यात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं।